वैशाख शुक्ल पक्ष- 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 293 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
29 अप्रैल 2026 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
43.6 अधिकतम
25.2 न्यूनतम

समृद्धि की सड़कें... 36 हजार करोड़ की लागत से तैयार गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

एक सड़क के लिए कई दशकों तक इंतजार करने का दौर खत्म : मोदी

» छह घंटे में तय होगा मेरठ से प्रयागराज का सफर
» एक्सप्रेस-वे पर फूड कोर्ट और ट्रॉमा सेंटर की सुविधा
» साढ़े तीन किमी लंबी एयर स्ट्रिप, रात में हो सकेगी लैंडिंग

हरदोई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरदोई से उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा। अब वो दौर चला गया, जब एक सड़क के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता था। एक बार घोषणा हो गई तो वर्षों तक फाइलें चलती थीं। चुनाव के लिए पत्थर लग जाते थे, उसके बाद सरकारें आती-जाती रहती थीं, लेकिन काम का कुछ अता-पता नहीं लगता था। कभी-कभी पुरानी फाइलें ढूंढ़ने के लिए बड़े-बड़े अफसरों को दो-दो साल तक मेहनत करनी पड़ती थी। डबल इंजन सरकार में शिलान्यास भी होता है और तय समय में लोकार्पण भी होकर रहता है।

बंगाल चुनाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र के उत्सव का भी एक अहम दिन है। बंगाल में इस समय दूसरे चरण का मतदान हो रहा है और जो खबरें आ रही हैं, उससे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है।

काशी विश्वनाथ में पूजा

हरदोई जाने से पहले काशी में प्रधानमंत्री ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया।

देश की पहली नाइट लैंडिंग एयरस्ट्रिप

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। 12 जिलों से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे कई मायनों में खास है। यहां पब्लिक कन्वीनियंस सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें ठहरने की सुविधा, इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर और फूड कोर्ट शामिल हैं। सड़क पर रंबल स्ट्रिप बनाई गई हैं। इन पर वाहन के टायर आते ही ड्राइवर को वाइब्रेशन महसूस होता है, जिससे हादसों की आशंका कम होगी। एक्सप्रेस-वे पर एयरफोर्स के फाइटर जेट्स की लैंडिंग के लिए शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास 3.5 किमी लंबी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। यह देश की पहली नाइट लैंडिंग एयरस्ट्रिप है। हर 75 किमी पर पेट्रोल पंप बनाए गए हैं, जिन्हें भारत पेट्रोलियम खुद संचालित कर रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे से पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है। यह प्रदेश का छठा एक्सप्रेस-वे है।

मोदी ने ही किया था शिलान्यास

एक्सप्रेस-वे 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इसे बनाने में करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत आई है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए पड़ती है। 18 दिसंबर, 2021 को मोदी ने शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था।

किसानों की उन्नति के रास्ते - योगी

इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे यूपी की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने जा रहा है। हरदोई भगवान विष्णु के परमभक्त प्रह्लाद की भूमि है। जब 2021 में आधारशिला रखी गई थी, उस वक्त कोरोना महामारी चल रही थी। इसके बावजूद इसे समय-सीमा के अंदर पूरा किया गया। पूरे देश के अंदर आज हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। इससे किसानों की तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

हॉर्मुज से व्हाइट हाउस तक... मोनोलॉग की राजनीति और डगमगाता वैश्विक संतुलन

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

पश्चिम एशिया में उठता हर तूफान अब केवल क्षेत्रीय नहीं रहता। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को एक साथ झकझोर देता है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को खोलने की ईरानी पेशकश तो अच्छा कदम माना जा सकता है, लेकिन ट्रम्प ने इसमें फिर यह कहकर अड़चन पैदा की है कि ईरान ने परेशान होकर उसके सामने यह प्रस्ताव दिया है। इससे बनती बात बिगड़ भी सकती है। नतीजा वही है। इससे मुद्दा फिर उसी चौराहे पर खड़ा है, जहाँ से दुनिया का तेल ही नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन भी गुजरता है। और इस बार संकट केवल जहाजों या नौसेना का नहीं, बल्कि विचार और विश्वसनीयता का भी है।

ईरान का यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय समुद्री संधियों को नहीं मानता, सीधी चुनौती है उस रूल-बेस्ड वर्ल्ड ऑर्डर को, जिसकी दुहाई पश्चिम दशकों से देता आया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका खुद उसी नियम-आधारित व्यवस्था पर चलता है? जब जवाब नहीं की ओर झुकता है, तो फिर यह टकराव नैतिक नहीं, केवल शक्ति का खेल बन जाता है। यहीं पर ट्रम्प की भूमिका इस पूरे परिदृश्य को और अस्थिर बनाती है। एक ऐसे समय में जब दुनिया को ठोस कूटनीति और स्पष्ट नीति की जरूरत है, अमेरिका का नेतृत्व ट्वीट्स और ट्रुथ सोशल के मोनोलॉग में उलझा दिखाई देता है।

लोकतंत्र की असली ताकत संस्थाओं में होती है, न कि व्यक्तियों की तात्कालिक प्रतिक्रियाओं में। जब अमेरिकी कांग्रेस और सीनेट जैसे मंच दरकिनार हो जाएं, तो यह केवल प्रक्रिया की अनदेखी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तकाजों पर भी चोट होती है। ट्रम्प की यह शैली केवल अमेरिका की साख को ही नहीं, बल्कि वैश्विक भरोसे को भी कमजोर करती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विश्वसनीयता मुद्रा की तरह होती है। एक बार गिर जाए, तो उसे वापस पाना बेहद कठिन होता है। आज अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती कोई बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि अपनी ही नीतिगत विसंगति है। दूसरी ओर, यूएई का ओपेक और ओपेक प्लस देशों (तेल उत्पादक देशों के संगठन) से एक मई से दूरी बनाने का फैसला ऊर्जा राजनीति में भूचाल ला सकता है। यह संकेत है कि पारंपरिक गठजोड़ अब टूट रहे हैं और नए समीकरण बन रहे हैं, जहां राष्ट्रीय हित सामूहिक रणनीति पर भारी पड़ रहे हैं। पाकिस्तान की भूमिका इस सियासी शतरंज के खेल में और भी जटिल है। पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में एक साथ सऊदी अरब, ईरान और अमेरिका के बीच संतुलन साधने की कोशिश, रणनीति कम और डबल गेम ज्यादा लगती है। जब मध्यस्थ खुद संदेह के घेरे में हो, तो शांति की प्रक्रिया विश्वसनीय कैसे रह सकती है? अंततः, यह संकट केवल हॉर्मुज का नहीं, बल्कि उस दिशा का है, जिसमें दुनिया आगे बढ़ रही है। अगर लोकतंत्र संवाद की जगह मोनोलॉग बन जाए, और कूटनीति ट्वीट्स तक सिमट जाए, तो फिर वैश्विक व्यवस्था केवल ताकतवर देशों की इच्छाओं का प्रतिबिंब बनकर रह जाएगी। सवाल यह नहीं है कि हॉर्मुज खुलेगा या बंद रहेगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया संवाद के रास्ते पर लौटेगी, या टकराव को ही अपनी नई नियति मान लेगी?

एक नए कोल्ड वॉर की आहट

इसी बीच रुस और ओमान के साथ ईरान की बढ़ती नजदीकी यह साफ संकेत देती है कि दुनिया फिर से ब्लॉक पॉलिटिक्स की ओर बढ़ रही है। यह एक नए कोल्ड वॉर की आहट भी हो सकती है। जहां युद्ध सीधे नहीं, बल्कि प्रॉक्सी और आर्थिक दबाव के जरिए लड़े जाएंगे। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा नुकसान किसका है? जवाब साफ है, वैश्विक स्थिरता, विकासशील अर्थव्यवस्थाएं और आम नागरिक। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सप्लाई चेन का संकट और निवेश की अनिश्चितता... ! ये सब उस छुपे हुए युद्ध के दुष्परिणाम हैं, जिसे महाशक्तियां अपने-अपने हितों के लिए खेल रही हैं।

मुंबई-हैदराबाद, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

दुर्गेश ने भी किया स्वर्णकांता की अदालत का बहिष्कार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के बाद एक और आप नेता ने भी जस्टिस स्वर्णकांता को चिट्ठी लिखी है। एक्साइज पॉलिसी मामले को लेकर पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक ने चिट्ठी में लिखा कि मैं अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा हूं। इस केस में मैं पेश होने में असमर्थ हूं। मेरी तरफ से कोई वकील भी पेश नहीं होगा। इससे पहले आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को पत्र लिखकर एक्साइज पॉलिसी मामले में उनकी अदालत में मुकदमा आगे नहीं चलाने का फैसला बताया था।

गुजरात के साबरकांठा में छह लोगों की दुर्घटना में मौत

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिला की सड़कों परआज तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। यह हादसा साबरकांठा जिला के एक हाईवे पर हुआ। पुलिस के अनुसार, एक निजी बस ने पीछे से एक वैन को जोरदार टक्कर मार दी। वैन में यात्री सवार थे और वह शामलाजी से हिम्मतनगर जा रही थी। इस मामले में गंभोई पुलिस के इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में वैन में बैठे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए।

आज का कार्टून

हुगली में टीएमसी-आईएसएफ समर्थकों के बीच मारपीट

भाजपा प्रत्याशी की कार पर हमला

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग हो रही है। सुबह 12 बजे तक 50 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। मतदान के लिए सुबह से ही लोग बूथों पर पहुंचने लगे थे। ज्यादातर बूथों पर महिलाओं की लंबी लाइन लगी है।

साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने कहा कि टीएमसी के गुंडों ने उनकी कार के शीशे तोड़ दिए। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई।

एक बजे तक 55 फीसदी मतदान

ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर लाठी-रॉड से हमले का आरोप लगाया। वहीं हावड़ा के बाली में ईवीएम में गड़बड़ी की बात को लेकर हंगामा हो गया। हिरासत में लिया। हुगली जिले के खानकुल में बूथ पर नकली पोलिंग एजेंट बैठाने को लेकर टीएमसी-आईएसएफ समर्थकों के बीच मारपीट हो गई।

मेडिकल कॉलेज में मारपीट, पांच सस्पेंड

ग्वालियर। गजराराजा मेडिकल कॉलेज में एक छात्रा पर की गई अभद्र टिप्पणी का विरोध करना एक छात्र को इतना भारी पड़ गया कि सहपाठियों ने उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। डीन ने इस मामले में पांच छात्रों को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत एमबीबीएस 2025 बैच की एक छात्रा पर की गई अभद्र टिप्पणी से हुई। आरोप है कि इसी बैच के छात्र सोनू शर्मा, ध्रुव रोकड़े, सब्रांत, वेदांत असाती और तरुण कुमार सोनवाल ने छात्रा पर टिप्पणी की थी। सहपाठी छात्र श्रेयांश गुप्ता ने बीच-बचाव करते हुए इसका विरोध किया, तो छात्र आक्रोशित हो गए।

नर्मदा का पानी लाने में होगी बचत

सीएम आज करेंगे इंदौर नगर निगम के सोलर प्लांट का उद्घाटन

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में 300 करोड़ की लागत से नगर निगम का सोलर प्लांट बनकर तैयार हो गया है जिसका उद्घाटन आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करने जा रहे है।

प्लांट से 60 मेगावाट बिजली पैदा होगी जिससे निगम को नर्मदा लाने में होने वाले बिजली के खर्च में 50 करोड़ रुपए की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज शाम 5 बजे जलूद में बने सोलर प्लांट का उद्घाटन करेंगे। ये प्लांट नर्मदा किनारे जलूद की 210 एकड़ जमीन तैयार किया गया है जहां से नर्मदा के पानी को पंपिंग कर इंदौर लाया जाता है। 60 मेगावाट की क्षमता वाले इस प्लांट से बनने वाली बिजली से हर माह निगम को 4 से 5 करोड़ रुपए की बचत होगी।

हाईकोर्ट का तमिलनाडु सरकार को सख्त निर्देश

तीसरी गर्भावस्था पर भी पूरा मातृत्व अवकाश दें

चेन्नई, एजेंसी

महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि तीसरी गर्भावस्था के मामले में भी मातृत्व अवकाश देने में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता। अदालत ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि महिला कर्मचारियों को पहली और दूसरी गर्भावस्था की तरह ही तीसरी बार भी पूरा मातृत्व लाभ दिया जाए। न्यायमूर्ति आर. सुरेश कुमार और न्यायमूर्ति एन. सेंथिल कुमार की खंडपीठ ने 13 मार्च 2026 के उस सरकारी आदेश पर सवाल उठाया, जिसमें तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश को केवल 12 सप्ताह तक सीमित कर दिया गया था। यह फैसला शाइयी निशा की याचिका पर सुनाया गया, जिन्होंने 2 फरवरी 2026 से 1 फरवरी 2027 तक मातृत्व अवकाश की मांग की थी।

हेट स्पीच पर दिशा-निर्देश देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी

हेट स्पीच मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी करते हुए साफ किया है कि किसी भी अपराध के लिए सजा का निर्धारण करना पूरी तरह से विधायिका का अधिकार क्षेत्र है। अदालत ने कहा कि इस विषय से निपटने के लिए देश में पहले से मौजूद कानून पर्याप्त हैं और किसी विधायी खालीपन की स्थिति नहीं है, जिसके चलते न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत पड़े। अदालत ने कहा कि संविधान के तहत शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के अनुसार न्यायपालिका अपनी सीमा में रहकर ही काम कर सकती है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि किसी भी अपराध का निर्माण और उसकी सजा तय करना पूरी तरह से विधायिका का क्षेत्राधिकार है। अदालत ने दोहराया कि यह अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास सुरक्षित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सांविधानिक अदालतें केवल कानून की व्याख्या कर सकती हैं, लेकिन नए अपराधों का निर्माण नहीं कर सकतीं और न ही विधायिका को कानून बनाने के लिए बाध्य कर सकती हैं। अदालत ने कहा कि यह अधिकार केवल विधायी संस्थाओं के पास है।

मेट्रो एंकर | मुंबई की सोसायटी का मामला, बकायादार बताने से नाराज महिला ने किया मानहानि का मुकदमा

केस लड़ने पर अड़ीं 90 साल की 'दादी', मिली 2046 के बाद की तारीख

मुंबई, एजेंसी

बॉम्बे हाईकोर्ट में गुस्सैल दादी एक अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मुंबई की एक सोसायटी में रहने वाली 90 साल की एक बुजुर्ग महिला को सोसायटी के सदस्यों पर इतना गुस्सा आया कि उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया। इतना ही नहीं लाख समझाने और सदस्यों के माफी मांगने के बाद भी वे संतुष्ट नहीं हुईं और केस लड़ने पर अड़ी रहीं। आखिरकार थककर हाईकोर्ट ने बुजुर्ग महिला को 20 साल आराम करने की सलाह दी और कहा कि उनका केस साल 2046 के बाद सुना जाएगा।

मामला मुंबई की एक सोसायटी का है। यहां अपनी बेटी के साथ रह रही 90 साल की बुजुर्ग महिला ने अपने सोसाइटी के पुराने मैनेजिंग कमिटी

एआई फोटो

के सदस्यों पर 20 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जब सोसाइटी के रिपेयर और मेंटेनेंस के फंड को लेकर शुरू हुई बातचीत लंबी कानूनी जंग में बदल गई। उस समय सोसाइटी की मीटिंग के मिनट्स में महिला को डिफॉल्टर (बकाएदार) लिख दिया गया था। इस बात से महिला को इतनी ठेस पहुंची कि उन्होंने कमिटी के सदस्यों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा ठोक दिया।

मंगलवार को जब यह मामला जस्टिस जितेंद्र जैन की कोर्ट में आया तो कोर्ट ने दोनों पक्षों से सुलह करने को कहा। कोर्ट ने सुझाव दिया कि अगर कमिटी वाले बिना शर्त माफी मांग लें तो मामला खत्म हो सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक हाईकोर्ट के सुझाव को पुराने कमिटी सदस्यों ने भी तुरंत मान लिया और कहा कि वे बिना किसी शर्त के माफी मांगने को तैयार हैं लेकिन फिर भी नाराज 90 साल की महिला ने साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वे केस लड़ना चाहती हैं। इस पर जस्टिस जितेंद्र जैन ने कहा, 'मैं और कुछ नहीं कहना चाहता, बस इतना कह सकता हूं कि यह मामला अगले 20 साल तक न उठाया जाए।'

जारी है अहंकार की लड़ाई

गौरतलब है कि देश की अदालतों में मुकदमों का अम्बार लगा हुआ है। ऐसे मामलों की सुनवाई भी लगातार टलती रहती है जिनमें तत्काल सुनवाई जरूरी होती है। ऐसे में इस तरह के मुक़दमे अदालत का भार ही बढ़ाते हैं। इसलिए कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए लिखा, 'यह उन मामलों में से एक है जहां लोगों के जीवन के अंतिम पड़ाव में भी अहंकार की लड़ाई चल रही है, जिसकी वजह से कोर्ट का सिस्टम जाम हो रहा है। ऐसे मामलों की वजह से जरूरी मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हो रही है।' लिहाजा कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 2046 तक के लिए टाल दिया।

रिपोर्ट एडीएम न्यायालय में पेश, होटल संचालक के खिलाफ एफआईआर के निर्देश

घरेलू व व्यावसायिक सिलेंडरों की कालाबाजारी, 22 सिलेंडर जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधीनगर इलाके में एक होटल संचालक द्वारा घरेलू सिलेंडरों का दुरुपयोग करने के मामले में एफआइआर दर्ज करने की तैयारी चल रही है। खाद्य विभाग की टीम ने निरीक्षण के दौरान 22 सिलेंडरों पकड़े थे, जिनके बिल संचालक उपलब्ध नहीं करवा पाया था। इसकी जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट एडीएम न्यायालय में पेश कर दी है, जहां से संचालक के खिलाफ एफआइआर के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार घरेलू व व्यावसायिक सिलेंडरों की कालाबाजारी करने की शिकायतों के बीच पिछले दिनों खाद्य विभाग की टीम ने गांधीनगर स्थित देवश्री स्वीट्स होटल पर निरीक्षण किया था। जहां पर 17 घरेलू सिलिंडर और पांच व्यावसायिक सिलिंडर रखे हुए मिले थे। इनके बारे में होटल संचालक से बिल आदि मांगे गए थे, लेकिन वह उपलब्ध नहीं करवा पाया था। इससे टीम ने प्रकरण बनाकर जांच शुरू कर दी थी।

जांच में पता चला कि होटल संचालक द्वारा अवैध रूप से घरेलू सिलिंडरों का दुरुपयोग किया जा रहा था, उसके पास व्यावसायिक सिलिंडर का भी कोई रिकार्ड नहीं था। ऐसे में अपर कलेक्टर के न्यायालय में रिपोर्ट पेश कर दी है, संचालक के खिलाफ जल्द ही पुलिस आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करेगी।

गैस कम मिलने का मामला

तीन किलो गैस कम मिलने के मामले में जल्द होगी कार्रवाई। सूखीसेवनिया के इमलिया इलाके में स्थित सैनी इंडेन गैस गोदाम पर ट्रक में भरे सिलिंडरों की खाद्य विभाग ने नापतौल की टीम से जांच करवाई थी। इस दौरान 27 सिलिंडर में तीन किलोग्राम कम गैस और पांच सिलिंडरों में सील नहीं मिली थी। इससे टीम ने एजेंसी संचालक व ट्रक चालक के बयान दर्ज कर लिए हैं और वहीं इंडेन कंपनी से रिकार्ड मांगा है। मामले की जांच अंतिम चरण में चल रही है, जिसके बाद गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि जिले में सिलिंडरों की कालाबाजारी, दुरुपयोग करने वाले एजेंसी संचालक, होटल मालिक, कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। गांधीनगर में देवश्री स्वीट्स के मालिक पर एफआइआर दर्ज करवाई जा रही है तो वहीं सिलिंडरों में गैस कम मिलने के मामले की जांच अंतिम चरण में चल रही है।

फीनिक्स गैस एजेंसी का लाइसेंस निलंबित

जेके रोड स्थित फीनिक्स एचपीसीएल गैस एजेंसी का लाइसेंस अनियमितताओं के चलते सस्पेंड कर दिया गया है। इस एजेंसी से जुड़े करीब 18 हजार उपभोक्ताओं को अब आसपास की अन्य गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। वे पहले की तरह उसी नंबर पर गैस बुकिंग कर सकेंगे और उन्हें दूसरी एजेंसी के जरिए घर तक सिलेंडर की डिलीवरी मिलती रहेगी।

जिला प्रशासन की जांच में एजेंसी में कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। जांच के दौरान लगभग 2000 छोटे (5 किलो वाले) सिलेंडरों का रिकॉर्ड नहीं मिला, वहीं 40 भरे सिलेंडर स्टॉक में कम पाए गए। इसके अलावा स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक सिलेंडरों की संख्या में भी बड़ा अंतर मिला। यह भी सामने आया कि एजेंसी उपभोक्ताओं तक सिलेंडर की होम डिलीवरी सही तरीके से नहीं कर रही थी और उनसे अतिरिक्त 35 रुपए वसूल जा रहे थे। इन अनियमितताओं के आधार पर प्रशासन ने एजेंसी को नोटिस जारी किया, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर एचपीसीएल को लाइसेंस निलंबित करने की सिफारिश की गई। इसके बाद कंपनी ने कार्रवाई करते हुए एजेंसी का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया और जांच पूरी होने तक गैस सप्लाई भी रोक दी है। एचपीसीएल के सीनियर एरिया सेल्स मैनेजर पुष्पेंद्र सोडा के अनुसार, जांच पूरी होने तक एजेंसी की सप्लाई बंद रहेगी, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है ताकि उन्हें समय पर गैस मिलती रहे। खाद्य नियंत्रक जादौन ने बताया कि जांच में कई अनियमितताएं मिली हैं। एजेंसी को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया है कि उसका लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द क्यों न किया जाए।

उपभोक्ता देख सकेंगे रेट लिस्ट

अब हर शराब दुकान पर क्यूआर कोड अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में अब एमआरपी से ज्यादा और एमएसपी से कम कीमत पर शराब नहीं बिक सकेगी। इस व्यवस्था को प्रभावी करने के लिए आबकारी विभाग ने प्रदेश की सभी शराब दुकानों पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की शराब की रेट लिस्ट खुल जाएगी।

प्रदेश की शराब दुकानों पर हो रही मनमानी वसूली को रोकने आबकारी विभाग ने सख्ती करने का फैसला किया है। विभाग ने यह फैसला जिलों में शराब की दुकानों पर एमआरपी से अधिक दाम में शराब बेचने के साथ एमएसपी से कम कीमत पर बिक्री करने के मामलों में किया है। विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए अब हर मदिरा दुकान पर 'क्यूआर कोड' चस्पा करना अनिवार्य कर दिया है। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगी, जिससे वे मौके पर ही अपने स्मार्टफोन से स्कैन कर ब्रांड की वास्तविक और कानूनी दरों का सत्यापन कर सकेंगे। इसके लिए ही तय किया है कि अब हर शराब दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना होगा। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की रेट लिस्ट खुल जाएगी।

कोई दुकान संचालक यदि निर्धारित एमएसपी से कम या एमआरपी से ज्यादा पर बिक्री करता है, तो आबकारी नियमों के अंतर्गत उसके विरुद्ध लाइसेंस निरस्त करने जैसी कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसका फायदा यह होगा कि उपभोक्ता अब सीधे मौके पर ही शराब की कीमत का मिलान कर सकेंगे। विभाग ने कहा है कि यह कदम उपभोक्ताओं को पारदर्शी सेवाएं देने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। ई-आबकारी पोर्टल के माध्यम से जिला अधिकारियों को विशेष क्यूआर कोड उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें दुकानों के प्रमुख हिस्सों पर लगाना होगा।

कोई लायसेंसी ठेकेदार अगर इन नियमों की अनदेखी करता है या निर्धारित मूल्य से अलग बिक्री करता पाया जाता है, तो उसे भारी दंड का सामना करना पड़ेगा। इस मामले में सख्ती के लिए प्रदेश भर में 7 मई 2026 तक एक विशेष 10 दिवसीय जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट 11 मई तक अनिवार्य रूप से सभी जिलो से तलब की गई है।

कोलूआ गांव का नाला बना कचराघर, ओवरफ्लो का खतरा बढ़ा

भोपाल। गोविंदपुरा विधानसभा अंतर्गत कोलूआ गांव में स्थित नाले की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। नाले में लगातार जमा हो रहा कचरा अब गंभीर समस्या का रूप ले चुका है, जिससे आसपास के रहवासी काफी परेशान हैं। लोगों ने कहा नाले की नियमित सफाई न होने से उसमें प्लास्टिक, घरेलू कचरा और गंदगी का अंबार लग गया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि पानी का बहाव बाधित हो रहा है और आने वाले दिनों में नाले के ओवरफ्लो होने का खतरा मंडरा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन व नगर निगम की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

कलचुरि कलार समाज के परिचय सम्मेलन में युवक-युवतियों ने तलाशा जीवनसाथी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कलचुरि भवन में सहस्त्रबाहु कलचुरि महासभा (कलार समाज) द्वारा आयोजित निःशुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन सामाजिक एकता, संस्कार और वैवाहिक समरसता का भव्य उदाहरण बनकर सामने आया। सम्मेलन में समाज के पांच हजार से अधिक स्वजन शामिल हुए, जबकि 550 से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों ने मंच से अपना और अपने परिवार का परिचय देकर उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश की।

कार्यक्रम अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। वैष्णवी राय ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर वातावरण भक्तिमय बना दिया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप सूर्यवंशी ने कहा कि समाज की स्मारिका 'कलचुरियन कीर्ति' युवक-युवतियों के रिश्ते जोड़ने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन समाज को संगठित करने का श्रेष्ठ माध्यम है, जहां दूर-दराज से आए परिवारों को अपने बच्चों के लिए योग्य जीवनसाथी तलाशने का अवसर मिलता है। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एल.एन. मालवीय ने कहा कि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज की नींव होता है। जब परिवार संस्कारों से जुड़े होंगे, तभी समाज संगठित, जागरूक और प्रगतिशील बनेगा। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे ने कहा कि परिचय सम्मेलन समाज के युवाओं और अभिभावकों के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरा है, जहां रिश्तों को सरल, सहज और संस्कारित वातावरण में आगे बढ़ाया जा सकता है। सम्मेलन में युवक-युवतियों का परिचय मंच से कराया गया तथा उनके बायोडाटा एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित किए गए, ताकि उपस्थित परिजन पूरी जानकारी देख सकें। परिचय के बाद अभिभावकों ने रिश्तों को लेकर चर्चा भी आगे बढ़ाई। मंच पर परिचय देने वाले प्रतिभागियों को भगवान सहस्त्रबाहु जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र पप्पू राय, पद्मश्री बनवारी लाल चौकसे, सुशीला चौकसे, शिवा जायसवाल एवं डॉली मालवीय ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रकाश राय ने व्यक्त किया।

आधुनिक जांच तकनीक से दुर्लभ बीमारियों की हो रही पहचान

एम्स में साउथ-एशियन साइटोपैथोलॉजी एंड हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आधुनिक जांच तकनीकों के जरिए जटिल और दुर्लभ बीमारियों की समय रहते पहचान संभव है, जिससे मरीजों का इलाज जल्दी शुरू कर उनकी स्वस्थ होने की संभावना बढ़ाई जा सकती है।

यह बात एम्स भोपाल के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. जय चौरसिया ने सातवें साउथ-एशियन एकेडमी ऑफ साइटोपैथोलॉजी एंड हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन में वक्ता के रूप में कही। उन्होंने कहा कि समय के अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीक का प्रयोग बढ़ने से बीमारी की पहचान पहले होने से समय पर सही इलाज मिलने से बीमारी ठीक हो सकती है। इस सम्मेलन में अमेरिका, नेपाल, वियतनाम, मलेशिया और बांग्लादेश सहित कई देशों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने 'साइटोपैथोलॉजिकल दृष्टिकोण से दुर्लभ मामलों के निदान की चुनौतियां' विषय पर विस्तार से जानकारी दी। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. आर. जी. डब्ल्यू. पिंटो और सचिव प्रो. के. के. प्रसाद ने डॉ. चौरसिया को इस महत्वपूर्ण प्रस्तुति के लिए बधाई दी।साथ ही एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. माधवानन्द कर ने कहा कि यह उपलब्धि संस्थान के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग की उत्कृष्टता को दर्शाती है। वहीं विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली वाल्के ने भी डॉ. चौरसिया को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।

दो हफ्ते की कार्यशाला में दिया जा रहा प्रशिक्षण

अभिनय की बारीकियां सीख रहे युवा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में युवा कलाकारों को अभिनय की गहराइयों से परिचित कराने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। द राइजिंग सोसायटी ऑफ आर्ट एंड कल्चर की इस पहल में प्रतिभागी सीन वर्क के माध्यम से अभिनय की बारीकियों को समझने और निखारने में जुटे हैं। पंद्रह दिवसीय अभिनय कार्यशाला 30 अप्रैल तक कालीबाड़ी में प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे तक संचालित हो रही है। इसमें 15 युवा कलाकार शामिल हैं। कार्यशाला का मार्गदर्शन संगीत नाटक अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित प्रीति झा तिवारी कर रही हैं। उनके अनुसार सीन वर्क केवल अभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-खोज की प्रक्रिया है, जो अभिनेता को मंच और कैमरे पर सजीव प्रस्तुति देने में सक्षम बनाती है। कलाकारों को अपने चरित्र के उद्देश्य, उसकी उपस्थिति और संवादों के पीछे के भाव को समझने पर जोर दिया जा रहा है। उन्हें यह भी सिखाया जा रहा है कि दृश्य में आने वाली बाधाओं को नकारात्मक नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। कार्यशाला में क्रिया और प्रतिक्रिया के महत्व पर विशेष फोकस किया जा रहा है। प्रतिभागियों को बताया कि अभिनय केवल शारीरिक क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद और अभिव्यक्ति भी उसी का हिस्सा हैं, जो दूसरे पात्र की प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं और दृश्य को आगे बढ़ाते हैं। इस पहल के माध्यम से विशेष रूप से निम्न वर्ग के प्रतिभाशाली कलाकारों को रंगमंच से जुड़ने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर दिया जा रहा है।

आज शाम पदभार ग्रहण करेंगे अपेक्स बैंक प्रशासक यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) के नव नियुक्त प्रशासक महेंद्र सिंह यादव आज टीटी नगर बैंक मुख्यालय पहुंच कर पदभार ग्रहण करेंगे। यादव की पदभार यात्रा सायं 3 बजे पार्टी कार्यालय से रवाना होकर बोर्ड ऑफिस चौराहे पहुंचेगी, उसके बाद अपेक्स बैंक मुख्यालय भवन, टीटी नगर की ओर रवाना होगी।

अंतर्नाद नाट्य समारोह में प्रभावशाली प्रस्तुति

'बियॉन्ड बाइनरी' ने समकालीन सवालों पर किया मंथन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय में आयोजित अंतर्नाद नाट्य समारोह 2026 के दूसरे दिन प्रस्तुत नाटक 'बियॉन्ड बाइनरी' ने दर्शकों को गहरे वैचारिक मंथन के लिए प्रेरित किया। रंगकर्मी उज्ज्वल सिन्हा के निर्देशन में तैयार इस नाट्य-प्रयोग ने समकालीन रंगभाषा की सशक्त अभिव्यक्ति पेश की।

नाटक का विचार विजय तेंदुलकर के चर्चित नाटक 'खामोश अदालत जारी है' से प्रेरित होते हुए भी एक स्वतंत्र और समकालीन कथ्य के रूप में सामने आई। कहानी एक सामूहिक अभिनय-प्रयोग से शुरू होकर धीरे-धीरे सामाजिक और मानसिक परतों को उजागर करने वाले गहन नाटकीय अनुभव में बदल जाती है। प्रस्तुति का केंद्र 'पहचान' और 'पूर्वाग्रह' जैसे विषय रहे, जिनके माध्यम से कई धारणाओं, सामाजिक प्रतिष्ठा, नैतिकता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर सवाल उठाए गए। नाटक ने द्विआधारी सोच पर प्रहार करते हुए दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि वास्तविकता केवल 'हां' या 'ना' तक सीमित नहीं है। अभिनय इस प्रस्तुति की प्रमुख ताकत रहा। प्रतिष्ठा, पूर्वी मालवीया, आयु राजवैद्य, खुशबू अग्रवाल, यशराज विश्वकर्मा, अंकुर तिवारी, आँचल त्रिपाठी, ऐश्वर्या सिन्हा और नजहत खान ने प्रभावशाली अभिनय से नाटक को जीवंत बनाया। समारोह के तीसरे दिन बुधवार को 'कथा कोलाज' नाटक का मंचन शाम 7 बजे किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

महर्षि विद्या मंदिर में डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने सुनाया कृष्ण जन्म का अलौकिक प्रसंग

नंद के आनंद भयो... श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर स्थित महर्षि विद्या मंदिर के प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर श्रद्धा और उल्लास का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रख्यात कथा व्यास आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी जी ने जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का प्रसंग सुनाया, पूरा पाण्डाल 'नंद के आनंद भयो' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए जन्मोत्सव मनाया।

आचार्य त्रिपाठी जी ने भगवान के अवतार के गूढ़ रहस्यों को सुलझाते हुए बताया कि हम डार्विन की थ्योरी नहीं मानते हैं। भारतवर्ष में मां के गर्भ में ही भगवान के दशावतार होते हैं। गर्भ के प्रथम मास में भगवान का मीन अवतार होता है। द्वितीय मास में कच्छप अवतार, तृतीय में वराह, चतुर्थ में नृसिंह, पांचवें में मां की कोख से जन्मे पूर्ण पुरुष वामन स्वरूप में होते हैं। छठे मास में परशुराम, सातवें में राम, आठवें में कृष्ण, नवें में पूर्ण ज्ञानी बुद्ध तथा दसवें मास में कलयुग में प्रकट होते कल्कि सबको आकर्षित करे। नंदोत्सव का उल्लास अपूर्व रहा। वासुदेव जी द्वारा बाल कृष्ण को टोकरी में रखकर यमुना पार कराने और गोकुल पहुंचाने के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इसके पश्चात प्रतीकात्मक रूप से कान्हा के जन्म की बधाई गाई गई और खिलौने व मिठाइयां बांटी गईं। यह संदेश दिया गया कि परमात्मा प्रेम के वश में हैं।

विद्वान आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने श्रीकृष्ण की जन्म लीला का सुन्दर दर्शन कराया। आचार्य जी ने बताया कि कंस के अहंकार रूपी कारागार में जब भक्ति का प्राकट्य हुआ, तब पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि कृष्ण का अर्थ ही है जो

आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी का संदेशः श्रीकृष्ण का अवतार धर्म की स्थापना और प्रेम के विस्तार के लिए हुआ था। आज समाज को कृष्ण के दर्शन के साथ-साथ उनके जीवन के प्रबंधन को समझने की भी आवश्यकता है। वे दुष्टों के लिए काल और भक्तों के लिए परम कृपालु हैं। चतुर्थ दिवस पर विद्यालय प्रांगण को विशेष रूप से सजाया गया था। भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की मनमोहक झांकी सजाई गई थी, जिसका श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिया। कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर परिवार के सदस्यों सहित शहर के कई प्रबुद्ध नागरिक और धर्मप्रेमी सम्मिलित हुए।

सरकार ने हाई लेवल कमेटी बनाई, 60 दिन में रिपोर्ट सबमिट होगी

प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड की तैयारी शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भी देश के गुजरात और उत्तराखंड सहित अन्य प्रदेशों की तरह एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। मोहन सरकार ने इसके लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को बनाया गया है। समिति में सदस्यों और सदस्य सचिव की नियुक्ति भी की गई है। कमेटी आगामी 60 दिन में रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगी।

मध्य प्रदेश सरकार के विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने आदेश जारी कर यूसीसी ड्राफ्ट तैयार करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। इसमें रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई को अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएएस शत्रुघन सिंह, कानूनविद अनूप नायर, शिक्षाविद गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुधपाल सिह को सदस्य बनाया गया है। वहीं अपर सचिव अजय कटेसरिया सदस्य सचिव रहेंगे।

इसे औपचारिक शुरूआत मान सकते हैं

- यूसीसी के लिए एमपी में हाई लेवल कमेटी गठित
- सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड न्यायाधीश होंगी अध्यक्ष
- 5 सदस्यीय कमेटी में विशेषज्ञ भी शामिल
- 60 दिन में कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी
- कमेटी विभिन्न कानूनों की समीक्षा करेगी

संवेदनशील मुद्दों की समीक्षा भी रिपोर्ट में शामिल होगी

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (सीसी) को लेकर बनी उच्च स्तरीय समिति सिर्फ कानूनी बदलाव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका प्रमुख फोकस महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को मजबूत करना होगा। सरकार ने पांच सदस्यीय इस समिति का गठन कर इसे 60 दिनों में ठोस सिफारिशें देने की जिम्मेदारी सौंपी है। सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे संवेदनशील मुद्दों की समीक्षा करेगी। खास बात यह है कि समिति लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों और उनके सामाजिक-कानूनी प्रभावों पर भी विचार करेगी, जो अब तक राज्य स्तर पर कम चर्चा में रहे हैं।

कमेटी सभी से सुझाव लेगी, बैठकें भी होंगी

सरकार ने इस प्रक्रिया को ज्यादा समावेशी बनाने के संकेत दिए हैं। समिति आम लोगों, धार्मिक संगठनों और विभिन्न वर्गों के विशेषज्ञों से सुझाव लेगी, ताकि प्रस्तावित कानून व्यावहारिक और संतुलित हो सके। इसके लिए प्रदेशभर में परामर्श बैठकों की भी योजना बनाई जा रही है।

अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन भी किया जाएगा

सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर मध्य प्रदेश के सामाजिक ढांचे के अनुरूप ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। यह पहल इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यूसीसी को लेकर देशभर में बहस तेज है और ऐसे में मध्य प्रदेश का कदम अन्य राज्यों के लिए भी दिशा तय कर सकता है। अगर तय समयसीमा में रिपोर्ट आती है, तो आने वाले महीनों में प्रदेश में ष्टष्ट को लेकर ठोस विधायी प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

नर्सिंग ऑफिसर और ट्यूटर के पदों पर होगी भर्ती, प्रक्रिया तेज करने के डिप्टी सीएम ने दिए निर्देश

भोपाल। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर और ट्यूटर के 2317 पदों पर भर्ती होगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में समीक्षा के बैठक के दौरान विभाग के अधिकारियों से भर्ती का प्रस्ताव शीघ्र कर्मचारी चयन मंडल को भेजने के लिए कहा है।उन्होंने बुधनी, दमोह एवं छतरपुर मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया भी तेज करने के निर्देश दिए। बता दें कि इन कॉलेजों को इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ करने के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने नेशनल मेडिकल कमीशन को प्रस्ताव भेजा है। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग जल्द शुरू करने को कहा।

150 साल बाद एमपी में दिखेंगी जंगली भैंस

जंगली भैंसा प्रजाति का पुनर्स्थापन एक ऐतिहासिक अवसर: मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

150 साल बाद मध्य प्रदेश की धरती पर जंगली भैंसों का आगमन हुआ है। असम से लाकर बालाघाट के कान्हा अभ्यारण में इन्हें शिफ्ट किया गया है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि ईको-सिस्टम के साथ-साथ टूरिज्म पर इसका सकारात्मक असर होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

वन्य प्राणियों से समृद्ध होंगे प्रदेश के वन, स्थानीय स्तर बढ़ेगा टूरिज्म और लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ कर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंसा का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्यप्रदेश के वन्य-जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंसा के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इको सिस्टम को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्य-जीवों को मध्यप्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विस्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

प्रदेश वन्य-प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्यप्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्यप्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्यप्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है। मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा। राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है।
प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज कूनो अभयारण्य के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभयारण्य में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, श्री भगत सिंह नेताम सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुशंसाओं को संवेदनशीलता के साथ करें लागू :राज्यपाल पटेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि जनजातीय कार्यशाला में प्राप्त सुझावों और अनुशंसाओं को संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनजातीय सशक्तिकरण के लिए सरकार के दिशा-निर्देशों और मार्गदर्शन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जनजातीय विकास से संबद्ध विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को लोकभवन में जनजातीय प्रकोष्ठ के साथ जनजातीय कार्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय सशक्तिकरण और विकास के लिए प्रावधानित बजट का जनजाति उन्मुख उपयोग हो। राशि को लक्षित उद्देश्य पर ही खर्च किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने मैदानी भ्रमण कर जनजातीय विकास प्रयासों की जमीनी हकीकत जानने के और अधिक सघन प्रयासों पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला विस्तृत क्षेत्र है। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में निवासरत जनजातियों के विकास एवं कल्याण के कार्य और अधिक क्षेत्र फोकस्ड होना जरूरी है। कार्यशाला में प्राप्त देश के जनजातीय बाहुल्य राज्यों द्वारा जनजातीय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का प्रदेश की आवश्यकता के संदर्भ में अध्ययन किया जाए, उन्हें समझ कर अपनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि कमजोर वर्गों के कल्याण प्रयासों में संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण है। समानुभूति की भावना के साथ किए गए आत्मीय प्रयास सदैव सुफल देते हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण प्रयासों में जन प्रतिनिधियों और शासकीय सेवकों की और अधिक संवेदनशीलता तथा सक्रियता जरूरी है। पात्र हितग्राहियों का चयन, योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, बजट राशि के समुचित उपयोग की प्रक्रियाओं में और अधिक जवाबदारी होनी चाहिए।

नरेला में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

सम्मान से मिलता है प्रोत्साहन : मंत्री सारंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उत्कृष्ट विद्यार्थी के सम्मान से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। जिससे और बेहतर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उन्नयन हो रहा है। मंत्री श्री सारंग नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 70 स्थित बिजली नगर कॉलोनी के शासकीय माध्यमिक शाला, बिजली नगर में मेधावी विद्यार्थी सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा लगातार विकास-मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाला हर विद्यार्थी एक अच्छा और सच्चा नागरिक बने। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में स्कूली शिक्षा लगातार उन्नत हो रही है, जिसका परिणाम है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हो रहे हैं।

नरेला में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल-मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा में किए गए शैक्षणिक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नरेला विधानसभा में 2 संदीपनी विद्यालय निर्माणाधीन हैं, जो आधुनिक शिक्षा के नए केंद्र बनेंगे। क्षेत्र में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए नरेला में कॉलेज निर्माण कराया गया है। नरेला विधानसभा में स्कूलों का व्यापक उन्नयन किया गया है। स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाएं सबसे पहले नरेला में प्रारंभ की गईं, जिससे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला।

शिक्षा में नवाचार - देश में पहली पहल-मंत्री श्री सारंग ने अपने चिकित्सा शिक्षा मंत्री कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई शुरू कराने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, जो देश में पहली बार हुआ। नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरुआत कर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया गया।

हजारों विद्यार्थियों का किया जा रहा सम्मान

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि क्षेत्र में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों को सम्मानित करने का अभियान शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जा रहा है। यह आयोजन केवल सम्मान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरित करना है।

भ्रष्टाचार के दोषी पूर्व कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को नहीं मिली राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस को फिर एक बार झटका लगा। आर्थिक भ्रष्टाचार के 25 साल पुराने मामले में तीन साल की सजा पाने वाले दतिया विधानसभा से पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। आर्थिक अनियमितता से जुड़े मामले में अब सुनवाई 29 जुलाई को नियत की गई है। इसके पहले राज्य सभा की तीन सीटों के लिए चुनाव होंगे। इसमें भाजपा और एक कांग्रेस की सीट शामिल है।

कांग्रेस के दो वोट हुए कम

कांग्रेस पक्ष के दो वोट कम हो चुके हैं, जिसमें श्योपुर जिले के विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा के वोट करने पर रोक है तो दतिया जिले के दतिया से विधायक रहे राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त की जा चुकी है। अब दतिया में उपचुनाव की संभावनाएं बढ़ रही हैं। प्रदेश से राज्य सभा की तीन सीटें दिग्विजय सिंह, सुमेर सिंह सोलंकी और जार्ज कुरियन का नौ जून को कार्यकाल समाप्त होने से रिक्त हो रही हैं। 230 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट राजेंद्र भारती की रिक्त है तो 164 विधायक भाजपा, 64 कांग्रेस और एक भारत आदिवासी पार्टी के हैं। एक सीट जीतने के लिए 58 मत प्राथमिकता वाले होने चाहिए। इस हिसाब से भाजपा दो सीटें जीतने की स्थिति में है तो कांग्रेस को एक मिलेगी। हालांकि, इसके दो वोट कम हो चुके हैं। बीना से पार्टी विधायक निर्मला सप्रे के विरुद्ध दलबदल का मामला चल रहा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हाई कोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की है तो विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सुनवाई कर चुके हैं।

सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

मेट्रो एंकर | हस्तशिल्प और स्थानीय कला को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने किए जा रहे निरंतर प्रयास

‘बाग प्रिंट’ कला को पेरिस में मिलेगा वैश्विक मंच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट ‘बाग प्रिंट’ कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले ‘’फ़ोयर डे पेरिस’ में प्रदर्शित किया जायेगा। यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई 2026 तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की ‘बाग प्रिंट’ कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। ‘बाग प्रिंट’ हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत के अंतर्गत संरक्षित है।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन से रूबरू होंगे दर्शक-इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री ‘बाग प्रिंट’ कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे। यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समावेश-इस विशेष प्रदर्शनी के लिए तैयार किए गए डिज़ाइन में भारतीय पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक सौंदर्यबोध का समन्वय किया गया है। यूरोपीय बाज़ार की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई ये कृतियां ‘बाग प्रिंट’ को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देंगी।

'बाग प्रिंट' की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि-'बाग प्रिंट' मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की पारंपरिक हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। इस शिल्प में सूती और रेशमी कपड़ों को पारंपरिक प्राकृतिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है। ‘बाग प्रिंट’ में लाल और काले रंग के ज्यामितीय एवं पुष्पीय रूपांकन प्रमुख होते हैं।

एआई के इस नए युग में चुनौती

आ हाल ही में क्लॉड मिथोस प्रिव्यू (सीएमपी) की प्रस्तुति और उसकी निर्माता एंथ्रोपिक का नए मॉडल तक पहुंच को सीमित करने का निर्णय आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमता में गुणात्मक छलांग और उन क्षमताओं से उत्पन्न नए अवसरों और खतरों को उजागर करता है। सीएमपी स्वायत्त रूप से सभी प्रकार के सॉफ्टवेयर का ऑडिट कर सकता है, जिसमें ऑपरेटिंग सिस्टम और पुराने प्रोग्राम शामिल हैं। यह अभूतपूर्व पैमाने पर बग और कमजोरियों की पहचान कर सकता है। जानकारी दी गई है कि इसने आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले ऑपरेटिंग सिस्टम में हजारों अज्ञात खामियों की खोज की। सैद्धांतिक रूप से इसे व्यापक पैमाने पर ऐसी कमियों को दूर करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। इसे नए प्रोग्रामों का पूर्वावलोकन और अंकेक्षण करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे बग-रहित और सुरक्षित हों।

जब एंथ्रोपिक को इस नए मॉडल की क्षमताओं का अंदाजा लगा तो उसने यह स्वीकार किया कि इस नए मॉडल को सामान्य रूप से जारी करना बहुत खतरनाक हो सकता है। अब सीएमपी तक पहुंच कुछ सीमित संगठनों के समूह तक प्रतिबंधित रखी गई है और इसे प्रोजेक्ट ग्लासविंग नाम दिया गया है। ग्लासविंग के अधीन एंथ्रोपिक, ऐपल, ब्रॉडकॉम, सिस्को, क्राउडस्ट्राइक, गूगल तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अन्य कंपनियां मिलकर सीएमपी का परीक्षण और इस्तेमाल करेंगी लेकिन इस मॉडल को आम लोगों के लिए नहीं खोला जाएगा। केंद्रीय बैंक और सरकारी संस्थाएं भी इस मॉडल तक पहुंच सकती हैं। यह चिंता का कारण हो सकता है क्योंकि सरकारें साइबर युद्ध में संलग्न होती हैं।

यह सावधानी संकेत देती है कि अब एआई उन संकीर्ण तकनीकी श्रेणियों में आती है जिनके लिए केवल नियम ही नहीं बल्कि कठोर शासन संरचनाएं और पहुंच प्रतिबंध आवश्यक हैं। जैसे परमाणु ऊर्जा, विमानन और कुछ सैन्य तकनीकों के साथ होता है, सीएमपी के बड़े पैमाने पर उपयोग से पहले सुरक्षा, नियंत्रण और निगरानी स्थापित की जानी चाहिए। सीएमपी सॉफ्टवेयर उद्योग के काम करने के तरीके को बदल देता है। भविष्य में, साइबर सुरक्षा केवल बुरे तत्वों से सिस्टम की रक्षा करने तक सीमित नहीं रहेगी। यह मूल रूप से एआई के प्रबंधन और नियंत्रण का विषय बन जाएगी, जो स्वायत्त रूप से कमजोरियों की खोज और उनका दोहन कर सकती है। सिस्टम को बग रहित करने का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। कोड को इंसान द्वारा पंक्ति दर पंक्ति देखकर कभी-कभी बग ढूंढने और उसे पैच या एक्सप्लॉइट करने के बजाय, सीएमपी एक सप्ताह में पूरे ऑपरेटिंग सिस्टम की 50 लाख बार समीक्षा कर सकता है। नए प्रतिमान में बग तलाश करना अब कोई बड़ी समस्या नहीं रह गई है। आईटी उद्योग हमेशा 'बीटा' सॉफ्टवेयर जारी करता रहा है और प्रदर्शन तथा सुरक्षा सुधारने के लिए उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया की समीक्षा करता रहा है। वह भी बदल गया है।

अब एआई डेवलपर्स, सुरक्षा शोधकर्ताओं, नियामकों और उद्योगों को सहयोग करना होगा। चूंकि सीएमपी का आगमन हो चुका है इसलिए जल्द ही अन्य स्थानों पर भी समान मॉडल विकसित किए जाएंगे। ऐसी संरचनाएं बनाई जानी चाहिए जो यह सुनिश्चित करें कि इन मॉडलों का शासन और विनियमन बड़े पैमाने पर तैनाती से पहले ही स्थापित हो जाए।

भारत और न्यूजीलैंड का एफटीए है इन दो देशों के बीच नए युग का उदय

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी आर्थिक शक्ति और रणनीतिक दूरदर्शिता का दमदार परिचय दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर लगी आधिकारिक मुहर आज उस नए भारत की तस्वीर है जो अवसरों को पहचानता है, उन्हें आकार देता है और पूरी दुनिया को अपने साथ जोड़कर आगे बढ़ता है। वस्तुत एक दशक लंबे इंतजार के बाद साकार हुआ यह समझौता हर भारतीय के भीतर नई ऊर्जा, नया आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान का एहसास जगा रहा है। इसके आरंभ में जाएं तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस समझौते की शुरुआत वर्ष 2010 में हुई थी। कई दौर की बातचीत के बाद 2015 में यह प्रक्रिया थम गई थी। समय ने करवट ली, वैश्विक आर्थिक समीकरण बदले और वर्ष 2025 में दोनों देशों ने एक बार फिर इस दिशा में कदम बढ़ाया। महज कुछ महीनों की गहन वार्ताओं के बाद यह समझौता अपने अंतिम स्वरूप तक पहुँच गया। यह तेज गति अपने आप में इस बात का संकेत है कि भारत आज निर्णायक फैसले लेने में कितना सक्षम और आत्मविश्वासी बन चुका है।

इस समझौते की सबसे बड़ी खासियत इसका व्यापक प्रभाव है। यह रोजगार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे अनेक क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है। खास तौर पर भारत के युवाओं के लिए यह समझौता एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। भारतीय युवा जो विदेश में अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए अब रास्ते और भी सरल हो गए हैं। न्यूजीलैंड द्वारा शुरू की जाने वाली नई वीजा व्यवस्था के तहत हजारों भारतीय पेशेवरों को वहाँ काम करने का अवसर मिलेगा। आईटी, शिक्षा, हेल्थकेयर, फाइनेंस और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का डंका बजेगा।

भारतीय संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान की भी इस समझौते में विशेष झलक दिखाई देती है। योग प्रशिक्षकों, आयुष विशेषज्ञों, भारतीय व्यंजनों के जानकार शेफ और संगीत सिखाने वाले कलाकारों के लिए वैश्विक मंच तैयार हो रहा है। ऐसे में कहना यही होगा कि यह अवसर रोजगार के साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत को दुनिया तक पहुँचाने का एक प्रभावशाली माध्यम भी बनकर हमारे सामने आया है।

इस समझौते का असर भारतीय उद्योगों पर भी बेहद सकारात्मक दिखाई देगा। टेक्सटाइल, चमड़ा, प्लास्टिक, इंजीनियरिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों को अब न्यूजीलैंड के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसका सीधा अर्थ है कि भारतीय उत्पाद वहाँ अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और निर्यात में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। आगरा जैसे शहर, जहाँ चमड़ा उद्योग की मजबूत पहचान है, वहां के उद्यमियों के लिए यह समझौता नई उम्मीदों का द्वार खोलता है।

फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर के लिए भी यह समझौता अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय कंपनियों को न्यूजीलैंड में तेजी से स्वीकृति मिलने लगेगी। इससे लागत में कमी आएगी और भारत की दवाओं की पहुंच वहां के लोगों तक और अधिक तेजी से होगी। यह वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को भी मजबूत बनाएगा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के लिए भी यह समझौता किसी बड़े अवसर से कम नहीं है। भारत जैसा विशाल उपभोक्ता बाजार अब उनके उत्पादों के लिए और अधिक सुलभ हो जाएगा। कीवीफ्रूट, चेरी, ब्लूबेरी, एवोकाडो, ऊन, लकड़ी और समुद्री खाद्य पदार्थ भारतीय बाजार में आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। आने वाले वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में बड़े पैमाने पर निवेश किए जाने की संभावना जताई जा रही है। बुनियादी ढाँचा, कृषि तकनीक, शिक्षा, पर्यटन और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में यह निवेश भारत की आर्थिक गति को और तेज करेगा, जिसके फलस्वरूप देश की विकास यात्रा को नई ऊर्जा मिलेगी।

इस समझौते की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें भारत के किसानों और छोटे उद्योगों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। डेयरी, चीनी और कुछ धातु जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को इस समझौते से बाहर रखा गया है। इससे घरेलू उत्पादकों को सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनी रहेगी। सेब, कीवी और मनुका शहद जैसे उत्पादों पर सख्त आयात नियम बनाए गए हैं, जिससे भारतीय किसानों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा। इस तरह से देखें तो भारत की योजना स्पष्ट रूप से सामने आती है। देश छोटे मगर महत्वपूर्ण वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पकड़ बनाना चाहता है। न्यूजीलैंड के साथ यह समझौता उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्तमान व्यापार आंकड़े आने वाले समय में कई गुना बढ़ने की संभावना है। नए अवसर, नई संभावनाएँ और नई सफलताएँ इस समझौते के साथ जुड़ी हुई हैं। कुल मिलाकर कहें कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए आज हर भारतीय के लिए बहुत ही गर्व का क्षण है। यह समझौता उस आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत की गाथा कह रहा है जो दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। यह एक नई शुरुआत है, एक नई दिशा है, जहाँ भारत वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर हर दिन अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत में आती नई बयार, अधेड़ भारतीयों में बढ़ रही आकर्षक दिखने की चाहत

विवेक शुक्ला
स्तंभकार

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं। इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। पूरे भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं।

इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के ईवाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है। वे कहते हैं, ÷ये सिर्फ झुर्रियाँ मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है।÷ डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है। लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है।

सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है। पहले एम्स से जुड़ी रही प्लास्टिक सर्जन डॉ. श्रेया गर्ग, जो अब अलोइसियावाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि ÷इन्होंने कुछ करवाया है।÷ दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं।

विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है। इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं। सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं।अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है। भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्रदराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं। भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें। आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

दिल और किडनी पर भी हो सकता है शरीर की गर्मी लगातार बढ़ने का असर

आमतौर पर शरीर का तापमान लगभग 36.5 से 37.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। जब यह तापमान इस सीमा से ऊपर चला जाता है, तो इसे शरीर में गर्मी बढ़ना या 'बॉडी हीट' कहा जाता है। ऐसा तब होता है जब शरीर अपनी क्षमता से अधिक गर्मी अवशोषित कर लेता है। सामान्य स्थिति में शरीर पसीना बहाकर और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर तापमान को नियंत्रित करता है। लेकिन जब ऐसा नहीं हो पाता तो शरीर के भीतर गर्मी जमा हो जाती है, जिससे बॉडी हीट से जुड़ी कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। शरीर का तापमान बढ़ने का सबसे आम कारण ज्यादा गर्म मौसम में लंबे समय तक रहना है। गर्मियों में, खासकर लू के दौरान बाहर की गर्मी से शरीर जल्दी प्रभावित होता है। अगर हवा में नमी (ह्यूमिडिटी) ज्यादा हो, तो पसीना सही से सूख नहीं पाता, जिससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता। बॉडी हीट बढ़ने का दूसरा कारण है ज्यादा शारीरिक मेहनत। जब हम धूप में काम करते हैं या ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं, तो शरीर के अंदर गर्मी बढ़ती है। अगर इस दौरान पानी कम पिया जाए, तो समस्या और बढ़ जाती है। शराब के ज्यादा सेवन से शरीर में डिहाइड्रेट की समस्या हो सकती है इसलिए इसकी

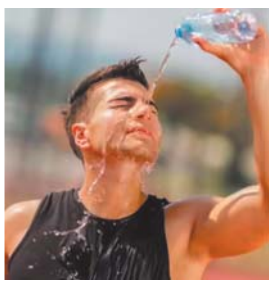

लत से बचना चाहिए। बॉडी हीट बढ़ने पर क्या करें: बॉडी हीट बढ़ने पर ठंडी जगह पर जाएं, जैसे पंखे या एसी वाले कमरे में या छांव में बैठें। टाइट कपड़े ढीले कर लें, ताकि शरीर से गर्मी बाहर निकल सके। धीरे-धीरे पानी पिएं। बॉडी हीट बढ़ने पर तुरंत बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीने से बचें। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ORS) या नारियल पानी पिया जा सकता है। इससे शरीर में पानी और जरूरी नमक की कमी पूरी होती है। अगर बॉडी हीट बढ़ने के लक्षण गंभीर हो जाएं, जैसे चक्कर आना, बेहोशी, उल्टी, तेज धड़कन या पसीना बंद हो जाना, तो तुरंत अपनी जांच कराएं। इस स्थिति में शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है। व्यक्ति को भ्रम, दौरे या बेहोशी हो सकती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को तुरंत हॉस्पिटल ले जाना जरूरी होता है। दिल और किडनी पर असर- लंबे समय तक गर्मी में रहने से दिल और किडनी पर भी असर पड़ सकता है। पहले से बीमार लोगों की हालत और खराब हो सकती है। सही जानकारी और थोड़ी सावधानी से इसे आसानी से रोका जा सकता है। समय पर बॉडी हीट के लक्षण पहचानना, पर्याप्त पानी पीना, ठंडे स्थान पर रहना और सही खानपान अपनाना बहुत जरूरी है। अगर स्थिति गंभीर लगे, तो बिना देर किए अपनी जांच कराएं।

सुविचार

अगर जिदंगी में कुछ
पाना हो तो तरीके बदलो,
इरादे नहीं।
-अज्ञात

निशाना

जरा सी लगी चोट..!

कान्ति शुक्ला

चलें अब कहीं आस्तां और भी हैं।
सुनाने तुम्हें दास्तां और भी हैं।
हवाएं गईं खुशबुएं लूट तो क्या
गुलों से भरे आशियां और भी हैं।
जरा सी लगी चोट घर ओढ़ डाला
न सोचा कभी सायबां और भी हैं।
छुपाते रहे राज तुमसे हमेशा
पता था कहाँ राजदां और भी हैं।
सितारे जमीं पर चले ढूंढ़ने हम
गली दर गली पासबां और भी हैं।
जमाना बदल ले मगर हम न बदले
हमारी नज़र के जहां और भी हैं।
अगर बढ़ गए काफ़िले जो खुशी के
भुला ग़म चलो कारवां और भी हैं।

यूजर्स गाइड

सरकार की चेतावनी, पलक झपकते ही खाली हो जाएगा डिजिटल वॉलेट, सावधानी बरतें

डिजिटल युग में लोग डिजिटल वॉलेट का काफी इस्तेमाल करते हैं और जब बात क्रिप्टो करेंसी की आए तो इसका उपयोग और भी बढ़ जाता है। लेकिन कहीं यह आपके लिए खतरा ना बन जाए। दरअसल, भारत के साइबर क्राइम अधिकारियों ने एक नई एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में यूजर्स को क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े घोटालों के बारे में चेतावनी दी गई है। स्कैमर्स खासतौर से उन यूजर्स को अपना निशाना बना रहे हैं, जो डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल करते हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर द्वारा जारी किए गए अलर्ट में बताया गया है कि खास तौर पर Trust Wallet और ऐसे ही दूसरे प्लेटफॉर्म के यूजर्स को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे स्कैम में बढ़ोतरी हो रही है। सरकारी संस्था ने इससे बचने के तरीके भी बताए हैं। एडवाइजरी की मानें तो नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट के अनुसार, ऐसी शिकायतों में बढ़ोतरी हुई है, जिनमें जालसाज पीयर-टू-पीयर (PwP) तरीकों से यूजर्स से संपर्क करते हैं। PwP का मतलब है कि स्कैमर्स सीधा लोगों के साथ बातचीत करके लेन-देन करता है। इसमें किसी थर्ड पार्टी जैसे बैंक, सर्वर या बिचौलिए की जरूरत नहीं होती है। स्कैमर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म WhatsApp या Telegram जैसे मैसेजिंग ऐप्स का उपयोग करते हैं ताकि इन्हें पकड़ना आसान ना हो। यहां से वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइटों पर ले जाते हैं और उनसे अपने क्रिप्टो वॉलेट कनेक्ट करने के लिए कहते हैं। एक्सेस मिल जाने पर हमलावर बिना किसी और बातचीत के फंड ट्रांसफर कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के नुकसान की भरपाई नहीं हो पाती है, क्योंकि एक बार ट्रांजैक्शन पूरा हो जाने के बाद उसे वापस नहीं किया जा सकता।

बचने का तरीका: अधिकारियों ने यूजर्स को कई सावधानियां रखने के लिए कहा है। क्रिप्टो वॉलेट को अज्ञात या संदिग्ध वेबसाइटों से ना जोड़ें। सीड फ्रेजेज या वॉलेट से संबंधित संवेदनशील जानकारी कभी शेयर ना करें। आगे बढ़ने से पहले लिंक और प्लेटफॉर्म को वेरिफाई करें। किसी भी संदिग्ध कनेक्टेड एप्लिकेशन को डिस्कनेक्ट करें। अधिकारियों ने यूजर्स से ऑनलाइन बातचीत करते समय सतर्क रहें और वॉलेट एक्सेस से संबंधित सभी अनुरोधों की दोबारा जांचें। धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए यूजर्स राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर सकते हैं। या फिर वे आधिकारिक पोर्टल cybercrime.gov.in पर जाकर तुरंत घटना की रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है। भारत में क्रिप्टोकरेंसी को अपनाने में वृद्धि के साथ सतर्कता बरतने की जरूरत है। अधिकारियों को डिजिटल वित्त क्षेत्र में उभरते खतरों की निगरानी करनी होगी। प्रतिक्रिया जारी रखने कहा गया है।

वायरल कंटेंट

तीन बच्चों की मां ने घटाया 63 किलो वजन, फिट होते ही पति को दिया तलाक

आज के समय में लोगों ने मोटापे की वजह से होने वाली बीमारियों के बारे में काफी कुछ जान लिया है। इसी वजह से लोग अब फिट रहने की कोशिश करते हैं 37 साल की नताली स्ट्रेंज, नॉर्विच की रहने वाली है। वे तीन बच्चों की मां हैं। कुछ साल पहले तक उनका वजन 19 स्टोन (करीब 120 किलो) था और वे यूके साइज 22 की ड्रेस पहनती थीं। वह घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करती थीं और टेकअवे फूड की भारी दीवानी थी। हर महीने सिर्फ फास्ट फूड पर उनका 250 पाउंड (करीब 27,000 रुपये) खर्च हो जाता था। डॉक्टर ने उन्हें प्री-डायबिटिक और हाई ब्लड प्रेशर बताया तो नताली ने फैसला किया कि अब बदलाव लाना ही होगा। उन्होंने वेट लॉस इंजेक्शन Mounjaro शुरू किया। सिर्फ एक साल के अंदर उन्होंने 10 स्टोन यानी करीब 63.5 किलो वजन कम कर दिया। अब उनका वजन 10 स्टोन (करीब 63.5 किलो) रह गया है और वे साइज 10 की ड्रेस पहन रही हैं। ट्रांसफॉर्मेशन इतना शानदार था कि नताली खुद हैरान थी। लेकिन वजन घटने के साथ उनके अंदर एक नया आत्मविश्वास जगा। उन्होंने महसूस किया कि अब वे पहले वाली ÷शेल÷ वाली जिंदगी नहीं जीना चाहती। नतीजा? उन्होंने 18 साल पुराने अपने पति को तलाक दे दिया।

चाहिए नया पार्टनर: नताली ने खुलकर कहा, "Mounjaro ने मुझे मेरी जिंदगी वापस लौटा दी और वो कॉन्फिडेंस दिया जो मैंने बहुत पहले खो दिया था। अब मैं महसूस करती हूं कि उनका और उनके पति का रिश्ता पहले जैसा नहीं रहा. वे दोनों अलग दिशा में जा रहे थे। वजन घटने के बाद नताली में नई ऊर्जा, नई सोच और नई महत्वाकांक्षा आ गई, जिसे उनके पति समझ नहीं पा रहे थे। ये कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। कई लोग इसे "Mounjaro Divorce" या "Ozempic Divorce Boom" का उदाहरण बता रहे हैं।

आ रहा बदलाव: हाल के अध्ययनों में भी दावा किया जा रहा है कि तेजी से वजन कम करने वाली दवाओं के बाद कई जोड़ों में तलाक की संख्या बढ़ रही है। क्योंकि वजन घटने के साथ व्यक्ति की पर्सनैलिटी, आत्मविश्वास और जीवन के प्रति नजरिया बदल जाता है। नताली अब बच्चों के साथ नई जिंदगी शुरू कर रही है। वे डेटिंग सीन पर वापस आई हैं और कह रही हैं कि अब वे खुद को खुश रखना चाहती हैं। उनकी कहानी हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा तो बन रही है, लेकिन साथ ही विवाद भी खड़ा कर रही है। कुछ लोग उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि वजन घटाने के बाद पार्टनर को छोड़ना सही नहीं है। नताली की स्टोरी एक बार फिर साबित करती है कि वजन घटाना सिर्फ शारीरिक बदलाव नहीं होता।

न्यूज विंडो

सांसद ने कृषि मंत्री को हल भेंट कर किसान हितों को किया प्रतिबद्ध

नर्मदापुरम। जनता कार्यालय नर्मदापुरम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगमन पर क्षेत्रीय सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने उनका आत्मीय स्वागत किया। सांसद चौधरी ने हल भेंट कर किसान हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीकिक सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति पवन शुक्ला, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान सदस्य नीतिराज सिंह पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गरिमामयी उपस्थिति में उपस्थित रहे। सभी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा की। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया गया।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए लगाया रक्तदान शिविर

गंजबासौदा। विश्राम गृह में पूर्व बीआरसी स्वर्गीय कपिल तिवारी की जन्म जयंती के अवसर पर मानव सेवा और जनकल्याण का प्रेरणादायी आयोजन किया गया। नगर में उनके मित्रों, शुभचिंतकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए यह संदेश दिया कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। आयोजन स्थल पर रक्तदाताओं ने बाद चढ़कर रक्तदान किया। और पूरे वातावरण में सेवा, समर्पण और मानवता का भाव दिखाई दिया। आयोजकों ने बताया कि एकत्रित किया गया रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के उपचार में उपयोग किया जाएगा, जिससे कई मासूम जिंदगियों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय कपिल तिवारी हमेशा समाज सेवा और जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे, ऐसे में उनकी जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजित करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से रक्तदान करने की अपील की। शिविर ने नगर में सेवा और सहयोग की नई मिसाल पेश की।

मिशन चौक ओवरब्रिज पर एक चलती एक्टिवा में अचानक आग भड़की

कटनी। कटनी में मिशन चौक ओवरब्रिज पर एक चलती एक्टिवा में अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक्टिवा सवार युवक चांडक चौक से बरगवां की ओर जा रहा था। दोपहर में जब वह मिशन चौक ओवरब्रिज पर आजाद चौक के पास पहुंचा, तो गाड़ी के निचले हिस्से से चिंगारियां निकलने लगीं।इस घटना से पुल पर यातायात बाधित हो गया। एक्टिवा चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

नरवाई जलाने की घटनाएं अब रिहायशी इलाकों के लिए भी मुसीबत बन रही

मंडला। मंडला जिले में नरवाई जलाने की घटनाएं थम नहीं रही हैं। ताजा मामला ग्राम कटरा के पीछे का है, जहां खेतों में नरवाई में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि कई एकड़ क्षेत्र में गेहूं की फसल कटने के बाद बची नरवाई जलकर खाक हो गई। आग की ऊंची लपटें धीरे-धीरे पास के रिहायशी इलाके तक पहुंच गईं, जिससे खेतों से सटे घरों पर भी खतरा मंडराने लगा। घटना की सूचना दमकल और पुलिस को दी गई।

बालाघाट जिले के खैरगांव में कूलर से करंट लगने से एक युवक की मौत

बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र के खैरगांव में कूलर से करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक का नाम परमेश बाहेश्वर बताया जा रहा है। यह हादसा उस समय हुआ, जब उसने घर में रखे कूलर को हटाने के लिए हाथ लगाया। करंट लगते ही परिजन परमेश को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मामला दर्ज किया। चौकी प्रभारी ईश्वरदयाल पटले ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया है।

चिकलोद वन रेंज में आने वाले भोजपुर बीट के इमलिया पठार का मामला

गहरी नींद में जिम्मेदार.... वन माफिया और रहवासी हरे-भरे पेड़ों पर चला रहे कुल्हाड़ी

अमित श्रीवास्तव। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज। पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों की धज्जियां उड़ाते हुए चिकलोद वन रेंज के अंतर्गत आने वाले भोजपुर बीट के इमलिया पठार पर इन दिनों कुल्हाड़ियों की गूंज सुनाई दे रही है। वन माफिया और स्थानीय लोग बेखौफ होकर हरे-भरे जंगलों को अपना निशाना बना रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं।

जमीनी हकीकत यह है कि इमलिया पठार पर व्यापक पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है। माफिया न केवल जलाऊ लकड़ी का अंबार लगा रहे हैं, बल्कि कीमती इमारती लकड़ी भी धड़ल्ले से जंगलों से बाहर ले जाई जा रही है। इमलिया पठार जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की खुली लूट वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर किसके संरक्षण में भोजपुर बीट को उजाड़ा जा रहा है।

जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता घातक

हैरानी की बात यह है कि जिस क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा बीट गार्ड से लेकर सर्किल अधिकारियों पर है, वहां सरेआम जंगल साफ किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारी शिकायतों के बावजूद मौके पर मुआयना करने तक की जहमत नहीं उठाते। उनकी यह लापरवाही न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि वन्यजीवों के प्राकृतिक रहवास को भी खत्म कर रही है।

पर्यावरण असंतुलन का मंडराने का बना खतरा

जंगलों की इस अंधाधुंध कटाई से क्षेत्र में पर्यावरण असंतुलन का खतरा मंडराने लगा है। अगर इमलिया पठार पर पेड़ों की बलि इसी तरह दी जाती रही, तो आने वाले समय में क्षेत्र को गंभीर जलवायु परिवर्तन और जल संकट का सामना करना होगा। शासन-प्रशासन की यह चुप्पी आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक सिद्ध होने वाली है। अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस लकड़ी माफिया और लापरवाह मैदानी अमले पर क्या ठोस कार्यवाही करते हैं, या फिर इमलिया पठार का जंगल सिर्फ इतिहास बनकर रह जाएगा।

छह माह से लीकेज दूषित पानी सप्लाई

धार। दोपहर मेट्रो

शहर भीषण गर्मी के बीच गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। इसी बीच, इमली वन क्षेत्र में पिछले छह माह से पाइपलाइन लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। इस लीकेज से दूषित पानी की आपूर्ति की आशंका भी बढ़ गई है, जिससे परेशान होकर स्थानीय लोगों ने मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया। शहर के कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। वहीं, इमली वन क्षेत्र में पानी की टंकी से जुड़ी एक मुख्य पाइपलाइन में लीकेज है। इससे लगातार पानी बहकर सीधे एक गंदे नाले में जा रहा है, जिससे पानी की भारी बर्बादी हो रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लीकेज वाली जगह के ठीक बगल में गंदा नाला बहता है। नाले का कचरा और दूषित पानी पाइपलाइन के अंदर जाने का खतरा बना हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, घरों तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को लेकर नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों से कई बार शिकायत की थी। हालांकि, उन्हें हर बार केवल आश्वासन मिला और समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ।

केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में हीट सेफ्टी मिशन के तहत जागरूकता अभियान कार्यक्रम

सुरक्षा उपायों को सरल एवं सहज भाषा में किया प्रस्तुत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बढ़ती भीषण गर्मी और हीट वेव के खतरों को देखते हुए सिरोंज स्थित केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में केडीबीएम हीट सेफ्टी मिशन के अंतर्गत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा एक प्रभावशाली हीट सेफ्टी पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों को सरल एवं सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व श्वेता आनंद त्यागी ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में वर्तमान परिस्थिति की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार आज भीषण गर्मी और हीट वेव की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती गई तो भविष्य और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि जीवन की सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ाता है। बच्चों को आज से ही प्रकृति के प्रति जागरूक एवं उत्तरदायी बनाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को गर्मी से बचाव हेतु प्रतिदिन अपनाए जाने वाले महत्वपूर्ण उपाय

बताए, जिनमें सुबह से पर्याप्त पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना, दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर न निकलना, बाहर जाते समय सिर ढकना तथा हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनना, घर एवं विद्यालय में ठंडी और हवादार जगह पर रहना तथा नींबू पानी, छाछ, आम पना जैसे प्राकृतिक पेयों का सेवन करना शामिल है। इस दौरान छात्र सहज शर्मा एवं आनंदी नेमा ने कहा कि हीट वेव से बचाव केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने सभी से अपील की कि अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें और सुरक्षा उपायों की जानकारी दें। विद्यालय के शिक्षकों रिंकिश जैन एवं कृष्ण कुमार ने विद्यार्थियों को समझाया कि यदि चक्कर आना, सिरदर्द, अत्यधिक प्यास लगना या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत छायादार स्थान पर जाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सक से संपर्क करें।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों हितैषी, रितिका, सोनम, कार्तिक, अंश, दिव्यांश, तनिष, वीर, अर्चित, पाखी, अनन्या, अतुल्य, रिंसी, अक्षिता, पलक, नैंसी सहित अन्य विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे और समाज को भी जागरूक करेंगे। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण संरक्षण भी रहा। इस अवसर पर संकल्प लिया गया कि भविष्य में गर्मी की समस्या को कम करने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाएगा, शहर को हरा-भरा बनाने के लिए इंदौर मॉडल की तर्ज पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के लिए पानी के सकोरे एवं नांद रखे जाएंगे, ताकि वे भी इस भीषण गर्मी से सुरक्षित रह सकें।

भीषण गर्मी में बेजुबानों की प्यास बुझाने आगे आई समिति

पक्षियों को सकोरे और पशुओं के लिए रखीं हौदियां

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गर्मी की दस्तक के साथ ही मूक पशु-पक्षियों के सामने पानी का संकट गहराने लगा है। ऐसे समय में नगर की पर्यावरणीय संस्था पंचतत्व संरक्षण समिति लगातार सेवा कार्यों में जुटी हुई है। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह रघुवंशी की उपस्थिति में नगर के विभिन्न स्थानों पर पशुओं के लिए पानी की हौदियां रखी गईं तथा पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। समिति द्वारा कालेबाग क्षेत्र में कमलेश शर्मा के निवास के बाहर एक बड़ी पानी की होदी रखी गई, जिसे प्रतिदिन भरने की जिम्मेदारी शिवानी शर्मा ने ली है। इसी प्रकार बरेठ रोड निवासी शोभित महलवार के यहां भी पानी की हौदी रखी गई। वहीं चर्च के पास स्थित मोहल्ले में पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे बांटे गए और नागरिकों को इन्हें नियमित रूप से पानी से भरने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पंचतत्व संरक्षण समिति का यह कार्य अत्यंत पुण्यकारी है। बेजुबान प्राणियों की सेवा ही सच्ची मानवता है और ऐसे प्रयास समाज के लिए

प्रेरणास्रोत हैं। समिति का यह अभियान पक्षी चेतना अभियान के अंतर्गत प्रतिवर्ष नवसंवत्सर एवं गुड़ी पड़वा से शुरू होकर पूरी गर्मी भर संचालित किया जाता है। अभियान के तहत नागरिकों से एक मुट्ठी दाना, एक कुंडा पानी रखने की अपील की जाती है। अब तक नगर के कई प्रमुख स्थानों पर जल पात्र रखे जा चुके हैं और आगामी दिनों में अन्य क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, राजपूत समाज अध्यक्ष प्रवीण प्रताप सिंह, श्रीमती अरुणा अरोरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

किशोरी से दुष्कर्म जांच में जुटी पुलिस

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजोद थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल को दो आरोपी किशोरी को घुमाने के बहाने बाइक पर बैठाकर ले गए थे। रास्ते में एक आरोपी किशोरी को दूसरे के साथ छोड़कर चला गया, जिसके बाद मुख्य आरोपी ने सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ तीन बार ज्यादती की। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, अशोक (पिता रमेश डामर) और उसका साथी विक्रम डामर उसे घुमाने का झांसा देकर अपनी बाइक पर बैठाकर ले गए थे। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद विक्रम डामर अपने साथी अशोक को किशोरी के साथ अकेला छोड़कर वहां से चला गया। विक्रम के जाने के बाद आरोपी अशोक किशोरी को एक सुनसान जगह पर ले गया। वहां उसने पीड़िता के साथ दो से तीन बार दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी ने किशोरी को डराया-धमकाया और किसी को भी इस घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने राजोद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर — नर्मदापुरम जनसुनवाई में लोगों ने बताईं समस्याएं

कलेक्टर मिश्रा ने 153 आवेदनों का किया त्वरित समाधान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने 153 से अधिक आवेदनों का परीक्षण कर जनता की समस्याओं का संवेदनशीलता से निराकरण किया। उन्होंने प्रत्येक आवेदक को समक्ष बैठाकर उनकी शिकायतें सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। राजस्व, अवैध कब्जा, राशन समस्या, आवास, सीमांकन, बंटवारा जैसी विविध मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में निराकरण के निर्देश दिए।

सोहागपुर तहसील की राजपुरी गोस्वामी ने बताया कि उनके पुत्र मुकेश पुरी गोस्वामी की कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से मृत्यु हो गई थी, लेकिन राहत राशि नहीं मिली। कलेक्टर ने राहत शाखा प्रभारी को जांच के निर्देश दिए, जिसके बाद आवेदक को 4 लाख रुपये का चेक तत्काल प्रदान किया गया। इस

पहल से परिवार को बड़ी राहत मिली। नर्मदापुरम की श्रीमती बसंती बस्तावर ने पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट और बंद पात्रता पर्ची की शिकायत की। जिला आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी ने राशन मित्र पोर्टल पर एंट्री कर समस्या हल की। इसी क्रम में डोलरिया के गोपी अहिरवार को भी पात्रता पर्ची प्रदान की गई। सिवनी मालवा के भीम सिंह राजपूत ने समग्र आईडी में वैवाहिक स्थिति की त्रुटि बताई, जिससे पत्नी का नाम जोड़ना और योजनाओं का लाभ संभव नहीं था। कलेक्टर ने जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक को राज्य स्तरीय टीम से समन्वय कर तुरंत सुधार के निर्देश दिए, जिससे समस्या का सफल निराकरण हो गया। इनके अलावा भी अन्य प्रमुख समाधान हुए है। नर्मदापुरम की शफीका बानो को रुका राशन डिप्टी कलेक्टर द्वारा प्रदान किया गया। माखननगर के बुजुर्ग प्रभुदायल यादव को सीएमएचओ नरसिंह गहलोत ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाकर इलाज शुरू कराया। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी, एसडीएम जय सोलंकी सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी को नागरिकों से सौम्य व्यवहार और त्वरित मार्गदर्शन के निर्देश दिए।

न्यूज विंडो

मवेशी को बचाने के दौरान पलटा आटो, चार घायल, तीन रेफर

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर झलौन मार्ग पर बम्हौरी की घाट पर एक तेज रफ्तार आटो वाहन मवेशी को बचाने के दौरान अनियंत्रित हो पलट गया। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से 3 लोगों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार इस बसंत पिता किशोरी चक्रवर्ती उम्र 37 वर्ष जानकी बाई पति नत्थू चक्रवर्ती उम्र 55 तरबर पिता नत्थू चक्रवर्ती उम्र 45 वर्ष जो कि तीनों ग्राम कुंदपुरा के निवासी हैं। थाना तारादेही जबकि आटो चालक नंदराम पिता डेलन पटेल उम्र 24 वर्ष निवासी पटनाऊ थाना तेजगढ़ है। हादसे में घायल हुए हैं लोगों ने बताया कि वह तेन्दूखेड़ा में किसी का इलाज कराने के लिए आए थे जहां से वो वापस लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में यह हादसा हो गया घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई जहां से जानकी बाई चक्रवर्ती तरबर चक्रवर्ती बसंत चक्रवर्ती को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जबलपुर में दीवार गिरने से मजदूर की मौत, परिजनों का फूटा गुस्सा

जबलपुर। जबलपुर में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण परिसर में जर्जर मकान से ईंट निकालते समय दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को एक माह से ज्यादा बीत चुका है, लेकिन अब तक आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।मृतक धनीराम झारिया के परिजनों ने बरगी थाना में शिकायत दर्ज कराई है।इस मामले में डीएसपी बीएस गठोरिया ने बताया कि जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। थाना प्रभारी को पूरे मामले की रिपोर्ट जल्द देने के निर्देश दिए गए हैं।

फर्जी तांत्रिक को पुलिस ने पकड़ा इलाज के नाम पर कर रहा था ठगी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की कुंडीपुरा पुलिस ने इलाज के नाम पर 5 लाख रुपए के जेवर ठगने वाले एक फर्जी तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। नरसिंहपुर जिले के रहने वाले आरोपी ने नागपुर के एक व्यक्ति को उसकी बीमार पत्नी को तांत्रिक विद्या से ठीक करने का झांसा दिया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के पास से ठगे गए पूरे जेवर बरामद कर लिए हैं। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

ट्रांसफार्मर-पोल की मांग अधूरी 9 महीने बाद भी नहीं बदली तस्वीर

अनूपपुर। जिले के कोतमा तहसील अंतर्गत ग्राम चोड़ी में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों द्वारा बिजली व्यवस्था के लिए दिया गया आवेदन नौ माह बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि भार्राटोला क्षेत्र में ट्रांसफार्मर और बिजली पोल लगाने की मांग को लेकर आवेदन किया गया था। आवेदन में स्पष्ट रूप से बताया गया था कि क्षेत्र के कई घरों तक आज भी बिजली लाइन नहीं पहुंची है, जिससे लोगों को अंधेरे में जीवन बिताना पड़ रहा है। आरोप है कि नर्मदा मंदिर तक बिजली पोल लगाए गए, लेकिन केवाई के रास्ते में उसके आगे के घरों तक लाइन विस्तार नहीं किया गया। इससे किसानों को सिंचाई में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार आवेदन और अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नौ माह का लंबा समय बीतने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है, जिससे प्रशासनिक लापरवाही उजागर हो रही है।

कन्या विवाह के दौरान कांग्रेस विधायक ने अधिकारियों को दी विवाह की नसीहत

डिंडोरी। जिले में उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस के डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम ने अधिकारियों को सुधरने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी बनने के बाद वे बेरोजगार युवती से विवाह करें, ताकि उनका जीवन भी संवर सके। विधायक ने बताया कि उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ को यह प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने विरोध की आशंका के चलते मना कर दिया था। मरकाम ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह संबंध और परंपराओं की जानकारी भी दी।

बाग के जामाला में अग्निवीर संदीप जमरा को अंतिम विदाई

तिरंगे में लिपटकर लौटा लाडला, मां बोली- बेटे के आने की राह देख रही थी, उसकी अर्थी की नहीं

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम जामला में जिस घर में कुछ दिन पहले बेटे के छुट्टी पर घर आने की तैयारियां हो रही थी, आज वहां संदीप जमरा अमर रहे के नारे गूंज रहे थे। दिल्ली के अस्पताल में उपचार के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए अग्निवीर संदीप जमरा का पार्थिव शरीर जब उनके पैतृक गांव पहुंचा, तो हर आंख नम हो गई और हर दिल पसीज गया। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर आज दोपहर उनके पैतृक गांव जामला, बाग विकासखंड लाया गया,जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

संदीप की अंतिम विदाई किसी उत्सव से कम नहीं थी। ग्राम टांडा से शुरू हुई सम्मान यात्रा में बड़ी संख?या में भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल-मांदल की थाप और देशभक्ति के नारों के बीच युवाओं ने अपने इस वीर नायक को विदाई दी। जब बटालियन के जवानों ने शस्त्र फायर कर अपने साथी को सलामी दी, तो समूचा आसमान शहीद संदीप जमरा अमर रहे के नारों से गूंज उठा। संदीप के भीतर देशप्रेम का जज्बा इस कदर था कि अभाव भी उसे रोक नहीं सके। मां मड़ीबाई ने रुंधे गले से बताया कि दो साल पहले जब उसका चयन हुआ, तो एक बार वह घर लौट आया था। परिवार ने उसे दोबारा जाने से रोकना चाहा, यहां तक कि उसे किराए के पैसे भी नहीं दिए, ताकि वह घर पर ही रुक जाए। लेकिन संदीप की जिद थी मुझे देश की सेवा करनी है वह दोस्तों से पैसे उधार लेकर ट्रेनिंग पर चला गया।

अधूरे रह गए बुजुर्ग पिता के अरमान

पिता करणसिंह, जो खुद पैर की चोट के कारण लकड़ी के सहारे चलते हैं, अपने बेटे की कामयाबी पर गर्व से सीना चौड़ा कर लेते थे। उन्होंने बेटे के स्वागत के लिए एक नया मकान बनवाया था, यह सोचकर कि बेटा आएगा तो नए घर में खुशियां मनाएंगे। वहीं, बहन कल्पना जो शिक्षिका बनना चाहती है और बड़े भाई भुवानसिंह का रो–रोकर बुरा हाल है। छह महीने पहले दिवाली पर घर आए संदीप ने वादा किया था कि वह जल्द लौटेगा, पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। हालांकि, सैनिक के अंत्येष्टि कार्यक्रम में प्रशासन की ओर से कोई भी अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित नहीं दिखा। इस अवसर पर इंदौर कोचिंग इंस्टीट्यूट संचालक गोपाल प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार मेड़ा, जिला महामंत्री महेंद्र मेरती, टांडा मंडल अध्यक्ष अमरसिंह सोलंकी,जनजाति विकास मंच जिला अध्यक्ष अरविंद डावर, ग्राम पंचायत बाग के सरपंच धर्मेंद्र बामनिया, जामला सरपंच कैलाश भंवर और विधायक प्रतिनिधि भारत मंडलोई सहित आसपास के क्षेत्रों के कई ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने मां भारती के सपूत को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

सुरक्षा गाड्‌र्स को तीन माह से नहीं मिला वेतन, गहराया रोजी-रोटी का संकट

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा के चार सरकारी अस्पतालों में तैनात 11 सुरक्षा गार्डों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इन कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से सैलरी नहीं मिली है। मामला ठेकेदार बदलने के चक्कर में फंस गया है, जिसका खामियाजा अब इन गरीब सुरक्षाकर्मियों को भुगतना पड़ रहा है।

सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि तीन महीने से पैसे न मिलने के कारण परिवार चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। राशन और बच्चों की जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों से कर्ज लेना पड़ रहा है।

जमीन छिनने के डर और मुआवजा न मिलने की चिंता को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले में प्रस्तावित गुनगुन जलाशय बांध के निर्माण को लेकर किसानों ने शिकायत की है। अपनी जमीनों के छिनने के डर और मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित ग्रामीणों ने 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि जब तक उन्हें उचित पैसा नहीं मिलता, तब तक काम बंद रखा जाए।ग्रामीणों ने प्रशासन पर कानून तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में पेसा एक्ट और भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किसी भी प्रोजेक्ट के लिए ग्राम सभा की मंजूरी लेना जरूरी है।

तेंदूखेड़ा में बिजली संकट: 90-100 गांव अंधेरे में, गर्मी ने बढ़ाई परेशानी

आंधी-तूफान के बाद तेंदूखेड़ा में 24 घंटे से ठप बिजली, भीषण गर्मी में लोग बेहाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में गत दिनों आए आंधी-तूफान एवं हल्की बारिश के बाद जहां लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली, वहीं इसके तुरंत बाद उत्पन्न हुई विद्युत बाधा ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। सोमवार शाम लगभग 5 बजे से बिजली आपूर्ति ठप हो जाने के कारण पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और लोगों को रात भर उमस एवं गर्मी का सामना करना पड़ा।

विद्युत व्यवस्था बाधित होने के चलते लोगों को मजबूरन घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों पर समय बिताना पड़ा। विशेष रूप से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। रातभर बिजली न होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, मंगलवार को भीषण गर्मी और उमस ने

हालात और बिगाड़ दिए। लगभग 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी, जिससे लोगों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक चिंताजनक रही, जहां करीब 100 गांवों में बिजली पूरी तरह बाधित रही। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण लाइन में तकनीकी खराबी (फॉल्ट) आ गई थी, जिसे रात के समय ढूंढ पाना संभव नहीं हो सका। विभाग की टीम द्वारा लगातार प्रयास किए गए, लेकिन फॉल्ट का पता मंगलवार को ही चल पाया, जिसके बाद सुधार कार्य प्रारंभ किया गया। मंगलवार दोपहर लगभग 2 बजे के बाद ही कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से बहाल हो सकी। हालांकि, तब तक आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि ऐसी परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्या से बचा जा सके। कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) एम.एफ. अंसारी ने जानकारी दी कि तेजगढ़ से संग के बीच नई विद्युत लाइन स्थापित की जा रही है। आंधी-तूफान के कारण तार आपस में चिपक जाने से विद्युत व्यवस्था बाधित हो गई थी।

दवा 'सेटिंग' का शक, डॉक्टर-कंपनी-मेडिकल स्टोर गठजोड़ पर उठे सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि कई डॉक्टर ऐसी दवाएं लिख रहे हैं जो केवल उनके द्वारा बताए गए चुनिंदा मेडिकल स्टोर पर ही उपलब्ध होती हैं। इससे न सिर्फ मरीजों की परेशानी बढ़ रही है, बल्कि उन्हें महंगी दवाएं खरीदने के लिए भी मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं का साल्ट (फॉर्मूला) वही होता है, जो अन्य कंपनियों द्वारा कम कीमत में उपलब्ध है। इसके बावजूद मरीजों को ब्रांडेड और महंगी दवाएं ही लेने को कहा जाता है। कई मरीजों का आरोप है कि यदि वे दूसरी दुकान से दवा लेने की कोशिश करते हैं तो उन्हें सही विकल्प नहीं बताया जाता। इस कथित व्यवस्था का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों पर पड़ रहा है। महंगी दवाएं खरीदने के कारण इलाज का खर्च बढ़ रहा है, जिससे कई लोग इलाज बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

मेडिकल स्टोर पर निर्भरता क्यों?

मरीजों के अनुसार, डॉक्टर अक्सर पर्चे पर ऐसे ब्रांड लिखते हैं जो सीमित मेडिकल स्टोर पर ही मिलते हैं। इससे मरीजों को उसी दुकान पर जाने के लिए बाध्य होना पड़ता है। इस व्यवस्था को लेकर डॉक्टर, दवा कंपनी और मेडिकल स्टोर के बीच संभावित सेटिंग की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

क्या है संभावित 'गठजोड़'?

स्वास्थ्य क्षेत्र के जानकारों के मुताबिक, कुछ मामलों में दवा कंपनियां अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डॉक्टरों को प्रोत्साहन देती हैं। बदले में डॉक्टर उसी कंपनी की दवाएं लिखते हैं। वहीं, मेडिकल स्टोर और डॉक्टर के बीच भी कमीशन आधारित संबंध होने की आशंका जताई जाती है। हालांकि, इस तरह की गतिविधियां नियमों के विरुद्ध हैं और प्रमाणित होने पर कार्रवाई का प्रावधान है।

मेट्रो एंकर नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ी भक्तों की भीड़

जो बच्चे माता-पिता की आज्ञा, सेवा और सम्मान को सर्वोपरि मानते हैं, वही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन करते हैं: शास्त्री

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का छठवां दिवस कथा व्यास पंडित प्रेम नारायण शास्त्री (वृंदावन धाम, समनापुर) ने माता-पिता की सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि जो संतान अपने माता-पिता की आज्ञा, सेवा और सम्मान को सर्वोपरि मानती है, वही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन करती है। उन्होंने भगवान परशुराम की कथा का भी वर्णन किया। बताया गया कि पिता जमदग्नि ऋषि के आदेश पर भगवान परशुराम ने बिना किसी मोह के अपनी माता रेणुका का सिर काटकर पिता के चरणों में अर्पित किया। पुत्र की इस अद्भुत आज्ञाकारिता से प्रसन्न होकर जमदग्नि ऋषि ने वरदान मांगने को कहा। भगवान परशुराम ने माता को पुनः जीवित करने, उन्हें इस घटना की कोई स्मृति न रहने

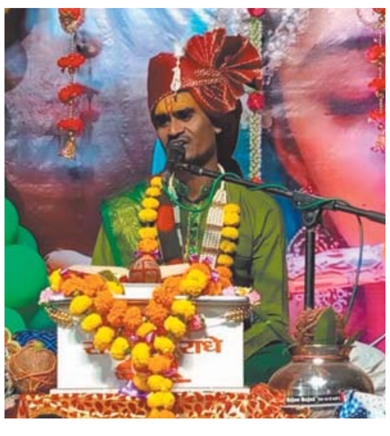

और जीवन भर माता-पिता की सेवा में तत्पर रहने की शक्ति की कामना की। यह प्रसंग श्रद्धालुओं को आज्ञाकारिता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का वर्णन भी किया गया। पंडित शास्त्री ने बताया कि इंद्रदेव के अहंकार और मूसलाधार वर्षा से ब्रजवासियों की रक्षा हेतु भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया। सात दिनों तक ब्रजवासियों, गायों और पशुओं को पर्वत की छांव में सुरक्षित रखा गया। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी को धैर्य रखने का उपदेश दिया और अंततः इंद्रदेव को अपनी भूल का एहसास हुआ। यह लीला भगवान की सर्वशक्तिमत्ता और भक्तवत्सलता का अनुपम उदाहरण है। कार्तिक मास में गोपियों के वस्त्र-हरण (चीरहरण) प्रसंग का भी कथा में उल्लेख किया गया। यमुना तट पर स्नान करती गोपियों के वस्त्र उठाकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अहंकार त्याग, पूर्ण भक्ति और तन-मन-धन के समर्पण का संदेश दिया। यह लीला आत्मसमर्पण, पवित्रता और निष्काम भक्ति का प्रतीक है। साथ ही रुक्मणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए पंडित शास्त्री ने बताया कि विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मणी भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। भाई रुक्मणी के विरोध के बावजूद भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मणी का उद्धार कर उनसे विधिवत विवाह किया। यह विवाह प्रेम, भक्ति और धर्म की विजय का प्रतीक है। कथा के दौरान संगीतमय भजनों और जयघोष से पूरे पंडाल का वातावरण भक्तिमय बन गया। श्रद्धालुओं ने भागवत कथा के माध्यम से जीवन में भक्ति, समर्पण और धार्मिक कर्तव्यों का महत्व समझा। इस आयोजन ने सभी के हृदयों में आध्यात्मिक आनंद और धार्मिक चेतना को जाग्रत किया।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने उगला जहर, कहा-

मुझे हर भारतीय गेंदबाज से नफरत; सोशल मीडिया यूजर्स ने दिखाया आइना

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज हसन नवाज अपने एक विवादित और बेतुके बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। भारतीय गेंदबाजों को लेकर दिए गए उनके बयान ने सोशल मीडिया पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। 23 वर्षीय खिलाड़ी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने कहा कि उन्हें सभी भारतीय गेंदबाजों से नफरत है। इस बयान के बाद क्रिकेट फैंस ने उनकी तीखी आलोचना की है और खेल भावना पर सवाल उठाए हैं। एक स्थानीय न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में हसन नवाज से पूछा गया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह किस गेंदबाज के खिलाफ रन बनाना चाहते हैं। इसके जवाब में उन्होंने किसी एक गेंदबाज का नाम नहीं लिया, बल्कि भारतीय गेंदबाजों पर तीखी टिप्पणी कर दी। हसन नवाज ने कहा, 'भारत के खिलाफ खेलते समय स्वाभाविक तौर पर अतिरिक्त मोटिवेशन होता है। आप महसूस करते हैं कि उनके गेंदबाजों पर हमला करना है। सच कहूं तो मुझे उनके सभी गेंदबाजों से नफरत है। इंशाअल्लाह, अगर मौका मिला तो आगे भी ऐसा करने की कोशिश करेंगे।' उनका यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। हसन नवाज ने आगे यह भी कहा कि मैच की स्थिति के हिसाब से बल्लेबाजी करनी पड़ती है और किसी एक गेंदबाज को निशाना बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं होता। सब कुछ मैच की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर रन रेट 10, 12 या 15 प्रति ओवर चाहिए हो, तो फिर गेंदबाज कोई भी हो, आप रन बनाने की कोशिश करते हैं। इस स्तर पर सभी खिलाड़ी विश्वस्तरीय होते हैं।'

मनु भाकर से वैभव पर पूछा सवाल, सोशल मीडिया पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में एनआरएआई के 75वें स्थापना समारोह के दौरान ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर सवाल पूछा गया। मनु ने सकारात्मक जवाब दिया, लेकिन सोशल मीडिया पर इस सवाल को लेकर बहस छिड़ गई। कई लोगों ने कहा कि एक ओलंपिक स्टार से क्रिकेटर पर सवाल पूछना दूसरे खेलों की अनदेखी दिखाता है। वहीं वैभव सूर्यवंशी अपने शानदार प्रदर्शन के कारण लगातार सुर्खियों में हैं।

भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर पूछा गया एक सवाल सोशल मीडिया पर बड़ी बहस का कारण बन गया। दिल्ली में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 75वें स्थापना समारोह के दौरान पत्रकारों ने मनु से 15 वर्षीय क्रिकेट प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को लेकर राय मांगी।

एक समय आलोचकों के तानों से परेशान हो गए थे श्रेयस अय्यर

अपने प्रदर्शन से दिया करारा जवाब

मुम्बई , एजेंसी

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही पंजाब किंग्स के पीछे सबसे बड़ी भूमिका कप्तान श्रेयस अय्यर की रही है। श्रेयस ने स्वयं बेहतर प्रदर्शन और कुशल कप्तानी के जरिये टीम को लगातार जीत दिलायी है। इससे सभी ओर वह छाये हुए हैं। इससे पीछे श्रेयस की कड़ी मेहनत रही है। उन्होंने न केवल अपने खेल को नया आयाम दिया है, बल्कि सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को भी पूरी तरह से बदल डाला है। आज अय्यर केवल पंजाब किंग्स के लिए एक भरोसेमंद बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक प्रभावी फिनिशर और सफल कप्तान भी बन चुके हैं। वहीं एक समय वह आलोचकों के तानो से परेशान हो गये थे। इसका जवाब अब इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से दिया है। पहले वह बाउंसर गेंदों के खिलाफ वह कमजोर माने जाते थे पर इस बापर श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज के खिलाफ शानदार छक्का जड़कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

श्रेयस के अनुसार उन्होंने आलोचकों को गलत साबित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मेरे आसपास ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि तुम ये नहीं कर सकते, यह असंभव है। मुझे यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है। एक क्रिकेटर के तौर पर, जो उच्चतम स्तर पर खेल रहा है, मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता। अय्यर ने आगे बताया, फिर मैंने तय किया कि मुझे उन्हें गलत साबित करना है। यह एक चुनौती बन जाती है। मैं सोचता हूं कि मैं इस स्थिति में था, अब कैसे और मजबूत होकर लौटूं? मैं अपने को और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं और जल्द से जल्द वापसी करने की कोशिश करता हूं जिससे उन्हें गलत साबित कर सकूं। यही सोच मुझे आगे बढ़ाती है, खासकर चोट के बाद।

जब उन्हें पीठ की चोट लगी थी, तब भी कुछ लोगों ने आशंका जताई थी कि वे पहले जैसे नहीं रह पाएंगे। इस पर अय्यर ने खुद से सवाल किया, क्यों नहीं रह सकता? उनका मानना है कि चोट के बाद अपनी सोच को कैसे बदलते हैं, यह बहुत जरुरी है। आप यह तय करते हैं कि किस पर ध्यान देना है और किसे नजरअंदाज करना है। 'शॉर्ट बॉल कमजोरी' पर भी उन्हें कमजोर बाला गया। इसे भी इस बल्लेबाज ने दूर किया। अय्यर ने माना कि ये ताने उन्हें 'ट्रिगर' करते थे और उन्होंने इस कमजोरी को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत करने का फैसला किया।

बदला नजरिया

अपनी इस चुनौती के बारे में उन्होंने कहा, लोग कहते थे कि मैं अपनी शॉर्ट बॉल की समस्या कभी ठीक नहीं कर पाऊंगा। यही बात मुझे ट्रिगर करती थी। मैं उन्हें गलत साबित करना चाहता था, इसलिए मैंने इस पर कड़ी मेहनत की। उन्होंने अपनी सोच में आए बदलाव को भी साझा किया। पहले वे सिर्फ सिंगल लेने या गेंद को नीचे रखने की कोशिश करते थे, लेकिन अब उनका नजरिया बदल गया है। अय्यर कहते हैं, अब मेरी सोच बदल गई है। अगर मुझे अपनी रेंज में शॉर्ट बॉल दिखती है, तो मैं उसे छक्के के लिए मारूंगा।

टी20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

बेनोनी , एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है। कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा।

इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को लगातार कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है ताकि विश्वकप की अच्छे से तैयारी की जा सके। हरमनप्रीत ने कहा कि पॉवरप्ले में भी हमारी टीम पर्याप्त रन नहीं बना पायी और इस कमी को भी हमें दूर करना होगा। इसके अलावा टीम को अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा।

रुतुराज के नाम है एक ओवर में सात छक्के का रिकार्ड

मुम्बई , एजेंसी

भारत के स्टार बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के नाम एक एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी के नाम नहीं है। घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ही ओवर में सात छक्के का एक रिकार्ड है जो कि काफी हैरानी भरा भी है क्योंकि एक ओवर में 6 छक्के लगाना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। ये रिकार्ड युवराज सिंह, हर्शल गिब्स और कीरोन पोलार्ड जैसे दिग्गजों के नाम है। वहीं किसी एक ओवर में सात छक्के लगने की बात काफी असंभव सी नजर आती है।

रुतुराज ने ये उपब्धि विजय हजारे ट्रॉफी 2022 के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान हासिल की थी। उत्तर प्रदेश के साथ मुकाबले में वह महाराष्ट्र की ओर से बल्लेबाजी कर रहे थे। तब गायकवाड़ ने 49वां ओवर फेंकने आए उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के ओवर की पहली चार गेंदों पर छक्के लगाये। वहीं पांचवी गेंद नो बाल रही जिसपर भी उन्होंने छक्का जड़ दिया। वहीं अगली दो गेंदों पर भी उन्होंने छक्के लगा दिये। इस तरह रुतुराज ने एक ही ओवर में कुल 7 छक्के जड़ दिए और उस ओवर से 43 रन बनाये जो एक नया रिकार्ड है। उस मैच में रुतुराज ने दोहरा शतक लगाया और 59 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए थे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

हाई हील पहनकर 'लाल परी' बने अक्षय कुमार, देखकर हैरान रह गईं जैकलीन-भूमि, फराह खान ने किया सलाम

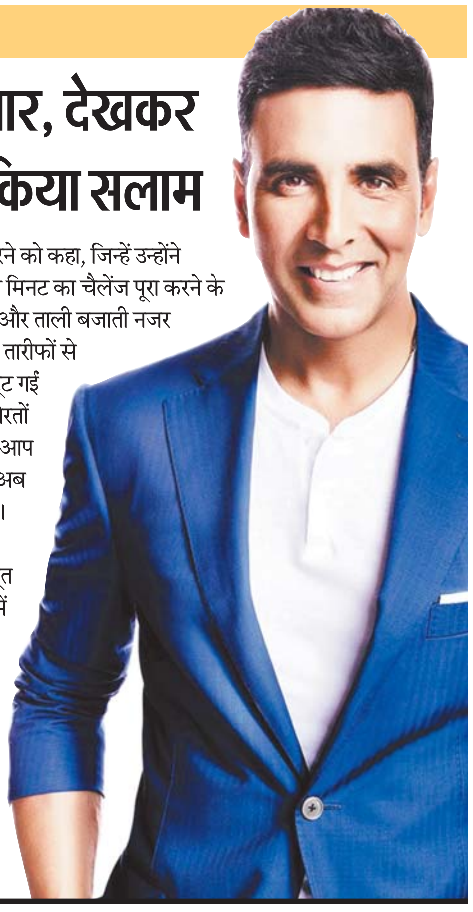

अक्षय कुमार के होस्ट वाला गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब खत्म हो चुका है। शो का फिनाले एपिसोड भी प्रसारित हो चुका है। फिनाले एपिसोड में फराह खान, भूमि पेडनेकर और जैकलीन फर्नांडीज गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान गेम के साथ-साथ तीनों ने अक्षय के साथ मिलकर जमकर मस्ती भी की। इस एपिसोड का एक वीडियो अब सामने आया है, जिसमें अक्षय हील्स पहनकर 'लाल परी' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

जैकलीन ने दी अक्षय को चुनौती, फिर एक्टर ने किया डांस-फिनाले एपिसोड के दौरान जैकलीन ने अक्षय द्वारा किए गए प्रैंक्स का बदला लेने के लिए एक चुनौती रखी। उन्होंने अक्षय को ऊंची एड़ी वाली हील्स पहनकर एक मिनट तक नाचने के लिए कहा। जैकलीन ने यह भी कहा कि अगर अक्षय बीच में ही रुक गए, तो उन्हें उनके खाते में 1 लाख रुपये जमा करने होंगे।

पहले तो अक्षय हिचकिचाए और बोले, 'पागल है क्या मैं पहनूं? मोच वोच आ जाएगी। मैंने कभी ऐसा नहीं किया, मुझे बहुत डर लगता है।' लेकिन फराह ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और आखिरकार जैकलीन की मदद से उन्होंने हील्स पहन लीं। इसके बाद अक्षय ने 'हाउसफुल 5' के गाने 'लाल परी' पर लाल हील्स पहनकर डांस किया और उन्हें हील्स में घूमते हुए भी देखा गया। बाद में फराह और भूमि भी उनके साथ शामिल हो गईं। इसके बाद फराह ने अक्षय कुमार से कुछ डांस स्टेप्स करने को कहा, जिन्हें उन्होंने आसानी से कर दिखाया। एक मिनट का चैलेंज पूरा करने के बाद फराह उन्हें प्रणाम करती और ताली बजाती नजर आईं, जो साफ तौर पर उनकी तारीफों से भरी थीं। हील्स आखिरकार टूट गईं और अक्षय ने कहा, 'सारी औरतों को सलाम है, कैसे पहनते हो आप लोग।' अक्षय का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। वर्कफ्रंट की बात करें अक्षय कुमार की हालिया रिलीज 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पार कर चुकी है। अक्षय की आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। ये इस साल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रीति जिंटा ने पेड पीआर पर कसा तंज, 18 करोड़ के लोन वाली खबर पर दी सफाई, बोलीं- 'मनगढ़ंत खबरें फैलने लगीं...'

प्रीति जिंटा बॉलीवुड में बहुत कम नजर आती हैं, आईपीएल मैच के दौरान ही वह स्टेडियम में या फिर अपनी टीम पंजाब किंग्स के साथ दिखाई देती हैं। हाल ही में आईपीएल मैच के थोड़ी फुर्सत निकालकर प्रीति जिंटा ने अपने फैंस के कुछ सवालों के जवाब ट्विटर पर दिए। इन्हीं सवालों के बीच उन्होंने पेड पीआर को लेकर काफी कुछ कहा।

एक फैन ने प्रीति जिंटा से पूछा, 'जब आप लोगों से सीधे बात करती हैं तो बिना किसी पीआर टीम की मदद के फैंस से गहरा जुड़ाव बनाती हैं। इस सवाल के जवाब में प्रीति लिखती हैं, 'मुझे ठीक से नहीं पता कि इस सवाल का जवाब कैसे दूं? लेकिन सोशल मीडिया ने पूरा खेल ही बदल दिया है। इसके जरिए मुझे लोगों से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है। मुझे पेड पीआर खरीदने का ज्यादा शौक नहीं है। इस तरह का ऑर्गेनिक जुड़ाव मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है।'

वह आगे जवाब में लिखती हैं, 'इसका दूसरा पहलू यह है कि अब हर वो इंसान जिसके पास फोन और कैमरा है, वह पैपराजी बन सकता है। एक तरफ तो आपकी लगातार तस्वीरें खींची जा रही होती हैं और दूसरी तरफ लोग अब फॉलोअर्स, व्यूज और पेज पर लाइक्स खरीद सकते हैं (फिल्म इंडस्ट्री में भी बहुत से लोगों को ऐसा करते सुना है)।

मेट्रो बाजार

सेंसेक्स में 1,000 अंक की तेजी, ऑटो और आई टीशेयर्स में ज्यादा खरीदारी

मुम्बई , एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 29 अप्रैल को बढ़त है। सेंसेक्स करीब 1,000 अंक की तेजी के साथ 77,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 300 अंक की तेजी है, ये 24,300 पर कारोबार कर रहा है। आज ऑटो, IT और FMCG शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार UAE के तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और ओपेक+ से बाहर निकलने की घोषणा का बाजार पर पॉजिटिव असर दिख रहा है। इससे ओपेक की कच्चे तेल की कीमतों पर नियंत्रण करने की ताकत कमजोर होगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आपूर्ति बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें गिर सकती हैं, जिसका सीधा फायदा भारत जैसे बड़े आयातक देशों को होगा।

ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है। इससे पहले कल यानी 28 अप्रैल को सेंसेक्स 417 अंक (0.54 फीसदी) की गिरावट के साथ 76,887 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 97 अंकों (0.40 फीसदी) की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ था।

भारत ने 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं निर्यात को दी मंजूरी, मजबूत स्टॉक और बंपर पैदावार ने आसान की राह

वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने देश से 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं के निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया है। केंद्र सरकार ने 20 अप्रैल को देश में गेहूं के पर्याप्त स्टॉक और आगामी रबी सीजन में एक और मजबूत पैदावार की संभावनाओं को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया था। इस नई खेप की मंजूरी मिलने के बाद, देश से अब तक कुल 50 लाख टन गेहूं और 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को हरी झंडी मिल चुकी है। गौरतलब है कि सरकार ने इससे पहले इसी साल जनवरी महीने में 5 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद, फरवरी में अतिरिक्त 5 लाख टन गेहूं उत्पादों और 25 लाख टन गेहूं को निर्यात के लिए मंजूर किया गया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अपनी हालिया अधिसूचना में नीतिगत स्थिति को साफ करते हुए कहा है, 'गेहूं की निर्यात नीति... प्रतिबंधित बनी हुई है। हालांकि, अतिरिक्त 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी जाती है'।

गाजियाबाद की सोसाइटी में भीषण आग

» 9 से 11 मंजिल तक 8-10 फ्लैट जले

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौड़ ग्रीन एवेन्यू अपार्टमेंट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। 10वीं मंजिल पर लगी आग करीब 8-10 फ्लैट तक फैल गई। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौकर पर पहुंचीं और आग पर नियंत्रण की कोशिश शुरू की। इतने फ्लैटों में एक साथ आग से हड़कंप मच गया। आग 12 मंजिला इमारत के 9वें, 10वें और 11वें तल पर लगी, जिससे कई फ्लैटों में धुआं भर गया और लोग घबराकर बाहर निकल आए।

इंदिरापुरम में स्थित गौड़ ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी के 10वें तल के एक फ्लैट में आग लगी थी। आग पर काबू पाया जाता, इससे पहले ही यह ऊपर और नीचे के तल पर फैल गई। 8-10 फ्लैटों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। फ्लैटों में रहने वाले लोग जान बचाकर भागे। आग की चपटें और काला धुआं देख सोसाइटी आसपास के इलाके में अफरातफरी की स्थिति रही।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग लगने का समय सुबह करीब पौने 9 बजे बताया गया है। दमकल की छह टीम आग बुझाने में जुटी हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल का कहना है कि आसपास के दमकल केंद्रों से और टीमों को बुलाया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग पर जल्द काबू पाया जाएगा।आग लगने की वजह अभी साफ नहीं है। हालांकि, माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से एक फ्लैट से आग की लपटें निकलीं और इसने आसपास के अन्य कई फ्लैट को भी चपेट में ले लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन कई परिवारों का सारा सामान जलकर राख हो गया है।

न्यूज विंडो

ऑस्ट्रेलिया: मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। सरकार ने इस संबंध में ड्राफ्ट कानून जारी किया, जिसे 2 जुलाई तक संसद में पेश करने की योजना है। इस कानून का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को समाचार संगठनों के साथ व्यावसायिक समझौते करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि पत्रकारिता के लिए भुगतान सुनिश्चित हो सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

आतंकवाद पर नहीं चलेगा दोहरा रवैया: राजनाथ सिंह

शंघाई। बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा समर्थित सीमा पार आतंकवाद का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन को सरकार प्रायोजित आतंकवाद की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं है। बिश्केक में SCO रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान यह दृढ़ संकल्प दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्रों को अब न्यायोचित दंड से कोई छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हमें सरकार द्वारा प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जो किसी राष्ट्र की संप्रभुता पर सीधा हमला है। दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं है। एससीओ को आतंकवादियों को उकसाने, उन्हें पनाह देने और सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए।''रक्षा मंत्री ने आतंकवाद, कट्टरपंथ और चरमपंथ से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित और सामूहिक प्रयासों की वकालत की।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट: आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़ा घोटाला: राहुल

श्री विजयपुरम ।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और अपराधों में से एक है। राहुल गांधी हाल ही में ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल बे इलाके का दौरा करने पहुंचे थे। वहां उन्होंने जंगलों और स्थानीय लोगों की स्थिति को करीब से देखा। उन्होंने कहा कि यहां के जंगल बेहद पुराने और अनमोल हैं, जिन्हें बनने में कई पीढ़ियां लगी हैं, लेकिन अब इन्हें खत्म करने की तैयारी की जा रही है।

अपने बयान में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 160 वर्ग किलोमीटर के घने जंगल काटे जाएंगे और लाखों पेड़ों को हटाया जाएगा। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया। उनका कहना है कि इस परियोजना से वहां रहने वाली आदिवासी और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनके घर-जमीन पर असर पड़ेगा।

दावा: सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार कर रहीं मॉनिटरिंग और सर्विलांस

ईरान बोला- अब भी जंग जैसे हालात हमला किया तो नए तरीके से जवाब देंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान ने कहा है कि उसके लिए हालात अब भी जंग जैसे बने हुए हैं। प्रेस टीवी के मुताबिक ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है।प्रवक्ता ने कहा कि ईरान मौजूदा हालात को सामान्य नहीं मानता है। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार मॉनिटरिंग और सर्विलांस कर रही हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।ईरान ने दुश्मन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई नई कार्रवाई हुई, तो उसे नए हथियारों, नए तरीकों और नए मोर्चों पर जवाब दिया जाएगा।

ट्रम्प को नया प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा ईरान

ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मध्यस्थों को युद्ध खत्म करने का नया प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले बताया गया है कि ईरान यह कदम इसलिए उठा रहा है क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले दिए गए प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

ईरान के पास सिर्फ 22 दिन का तेल स्टोरेज

अमेरिकी नाकेबंदी की वजह से ईरान अपना तेल बाहर नहीं भेज पा रहा है, जिससे उसका स्टोरेज तेजी से भर रहा है। डेटा एनालिटिक्स फर्म कपलर के मुताबिक, अभी ईरान जितनी तेजी से तेल निकाल रहा है, उस हिसाब से उसके पास तेल रखने की जो खाली जगह बची है, वह ज्यादा से ज्यादा करीब 22 दिन तक ही चल पाएगी।इसका मतलब है कि अगर हालात ऐसे ही रहे, तो ईरान को जल्द ही तेल उत्पादन में और कटौती करनी पड़ सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ईरान को लंबे समय तक तेल निकालना कम करना पड़ा, तो उसके पुराने तेल के कुओं पर असर पड़ेगा।इन कुओं के अंदर जो प्राकृतिक दबाव होता है, वह धीरे-धीरे कम हो सकता है। अगर दबाव कम हो गया, तो बाद में उसी तेल को निकालना मुश्किल हो जाएगा

जर्मनी पर भड़कते हुए बोले ट्रंप - ईरान के पास परमाणु हथियार हुआ तो पूरी दुनिया बंधक बन सकती है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब जर्मनी पर तीखा हमला बोलकर वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज पर निशाना साधा। ट्रंप ने आरोप लगाया कि जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का मानना है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है, जिसे उन्होंने पूरी तरह गलत करार दिया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार आ गया तो पूरी दुनिया बंधक बन सकती है।डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में यह भी दावा किया कि वह ईरान के मुद्दे पर अभी ऐसी कार्रवाई कर रहे हैं, जो अन्य देशों या पूर्व राष्ट्रपतियों को पहले ही कर लेनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि देश हर मोर्चे पर कमजोर प्रदर्शन कर रहा है।दरअसल, जर्मनी के चांसलर ने अपने बयान में कहा था कि अमेरिका को ईरान की जंग से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को जितना कमजोर समझा गया था वह उससे कहीं ज्यादा ताकतवर निकला।

झारखंड के जंगल में माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम ज़िले के टोंटो थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। यह मुठभेड़ घोर नक्सल प्रभावित रूटुगुटू के घने जंगलों में उस वक्त शुरू हुई, जब कोबरा 209 बटालियन के जवान सर्च ऑपरेशन पर निकले थे।

जानकारी के अनुसार, जवान पिछले दो दिनों से गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बोरोई और तूनबेड़ा के आसपास लगातार कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रहे थे। बुधवार सुबह करीब साढ़े चार बजे जंगल में माओवादियों से आमना-सामना होते ही दोनों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई।सूत्रों के मुताबिक, सुबह से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। पूरे इलाके में सुरक्षा बलों की सतर्कता बढ़ा दी गई है और सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेनू ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है।गौरतलब है कि हाल ही में गोइलकेरा थाना क्षेत्र में एक पूर्व माओवादी की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही संकेत मिल रहे थे कि माओवादी सारंडा क्षेत्र से निकलकर कोल्हान और आसपास के इलाकों में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं।

ओडिशा:बस की ट्रक से टक्कर, 4 की मौत, 20 से अधिक घायल

राउरकेला। ओडिशा में मंगलवार देर रात राउरकेला से जाजपुर जा रही प्रमिला बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस जैसे ही चांदीपोष स्थित पेट्रोल पंप से निकली, वह अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में चली गई और सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस और ट्रक दोनों के आगे के हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। करीब एक दर्जन एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया।कई यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें

हाईटेक समेत अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर किया गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देर रात तक अस्पतालों में उपचार जारी रहा।इस दौरान विधायक शारदा नायक, प्रतिनिधि प्रेम दास और युवा नेता विवेक गुप्ता समेत कई लोग घायलों की सहायता में जुटे रहे। घटना स्थल पर दो एवं अस्पताल में दो लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड: जिस पिता ने तोड़ा था नाता, वही बने सोनम के जमानती, भाई बोला- आज भी नफरत करता हूं

इंदौर, एजेंसी

चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी शिलांग पुलिस की कमजोर विवेचना के कारण 10 माह में ही जेल से बाहर आ गई।

बता दें कि शिलांग पुलिस राजफाश कर चुकी है कि इंदौर के सहकार नगर निवासी कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने हत्या की साजिश की थी। सोमवार को शिलांग के सत्र न्यायालय ने सोनम की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मंगलवार को सोनम के वही पिता देवी सिंह उसकी जमानत के लिए शिलांग पहुंचे, जिन्होंने उससे रिश्ता तोड़ लिया था। शिलांग के सत्र न्यायालय ने जमानत देते हुए अपनी टिप्पणी में कहा कि

पुलिस ने गिरफ्तारी का कारण बताने वाला फार्म सही तरीके से नहीं भरा था। कई जगह अलग-अलग धाराएं लिखी गई थीं। ट्रायल में भी पुलिस ने देरी कर दी है।

उन्होंने न सिर्फ स्वयं उसके लिए मुचलके की रकम 50 हजार रुपये भरी बल्कि शिलांग के एक होटल संचालक को भी उसका जमानती बनवाया। शाम को सोनम जेल से बाहर आई। पिता उसे जेल में लेने पहुंचे। इस दौरान सोनम से मीडियाकर्मियों ने सवाल किए पर वह कुछ नहीं बोली। चुपचाप पिता के साथ किसी अज्ञात स्थान पर चली गई। बताया गया कि न्यायालय की मंशा के अनुरूप, सोनम को शिलांग में ही रुकना होगा।

सोनम की जमानत पर उसके भाई गोविंद का बयान भी आया है। जमानत से अन्जान गोविंद ने कहा कि मुझे केस की कोई जानकारी नहीं है। पिता के शिलांग जाने से वह अन्जान नजर आया। उसने कहा कि मैं कल भी सोनम से नफरत करता था और आज भी करता हूं। उसने कहा कि कोर्ट ने उसे जमानत दी है। अभी वह बरी नहीं हुई है। बरी होने पर मैं उसका स्वागत करूंगा।

मेट्रो एंकर निशाने पर जम्मू-कश्मीर: जमात-उल-मोमिनात तैयार कर रहा लेडी टेरर आर्मी

महिला आत्मघाती दस्ते: जैश-ए-मोहम्मद की विंग कर रही भर्ती

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-ताइबा महिला आत्मघाती दस्ते के लिए बड़े स्तर पर भर्तियां करने में लगा है। इस आत्मघाती दस्ते को तैयार करने की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग जमात-उल-मोमिनात को दी गई है।

सूत्रों के अनुसार 18 अप्रैल को सुबह 9 बजे मुजफ्फराबाद के गोजर स्थित ओएसए (वन स्टेप अहेड कॉलेज) कॉलेज में 10 घंटे का विशेष सत्र आयोजित किया गया और भर्तियां की गयीं।

इस सत्र में आतंकवादी मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर समेत पीओके के चार कमांडर भी मौजूद थे। करीब 150 से ज्यादा महिलाओं को इस विशेष सत्र के लिए बुलाया गया था। खुफिया एजेंसी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक 18 अप्रैल को हुई आत्मघाती दस्तों की भर्ती और ट्रेनिंग कैंप पूरी जानकारी केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंपी जा चुकी है।

पाकिस्तानी सेना कर रही मदद

पाकिस्तानी मामलों के जानकार और लंबे समय तक खुफिया एजेंसियों को सेवा देने वाले रिटायर्ड ब्रिगेडियर हरदीप सिंह विरदी कहते हैं कि पाकिस्तान की सेना का पूरा फोकस महिलाओं के आत्मघाती दस्ते को तैयार करने पर लगा हुआ है। यही वजह है कि जैश ए मोहम्मद की महिला विंग जमात उल मोमिनात को आगे किया जा रहा है। रिटायर्ड ब्रिगेडियर विरदी कहते हैं कि इसके साथ-साथ पाकिस्तान में ही हरकत-उल-मुजाहिदीन से जुड़ी महिलाएं भी आतंक को आगे बढ़ाने में शरीक होती हैं। उनको भी जम्मू कश्मीर से लेकर भारत के अलग अलग हिस्सों में आतंक को फैलाने का टास्क दिया जा रहा है।

90 से ज्यादा महिलाएं शामिल

केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक इस कोर्स के बाद दो चरण के बड़े कोर्स जमात-उल-मोमिनात की ओर से कराए जाने हैं। सूत्रों के मुताबिक आखिरी सेशन में पाकिस्तानी आतंकवादी मसूद अजहर के खुद शामिल होने का बयान भी जारी किया गया। जानकारी के मुताबिक इस बैठक में महिलाओं को जम्मू कश्मीर के नक्शे के साथ यहां के एक-एक जिले और उसकी डेमोग्राफी के बारे में बताया गया। इस बैठक में जिक्र इस बात का भी किया गया कि मई के तीसरे हफ्ते में इन महिलाओं को इस सत्र के बाद लाहौर में एक विशेष ट्रेनिंग दी जानी है। इससे पहले भी 17 जनवरी को लाहौर के वीमेन लॉ कॉलेज और बहावलपुर के मरकज उस्मान-ओ-अली में भी कैंप लगाए जा चुके हैं। जिसमें 90 से ज्यादा महिलाओं ने शिरकत की थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564